वर्ष : 34 | अंक : 237 | मुंबई, मंगलवार, 4 नवंबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

हादसों का दिन

- तेलंगाना के रंगारेड्डी में बस-डंपर की टक्कर ;19 की मौत, 20 घायल
- राजस्थान में एक के बाद एक कई गाड़ियों से टकराया डंपर ; 50 को रौंदा ; 13 लोगों की मौत

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

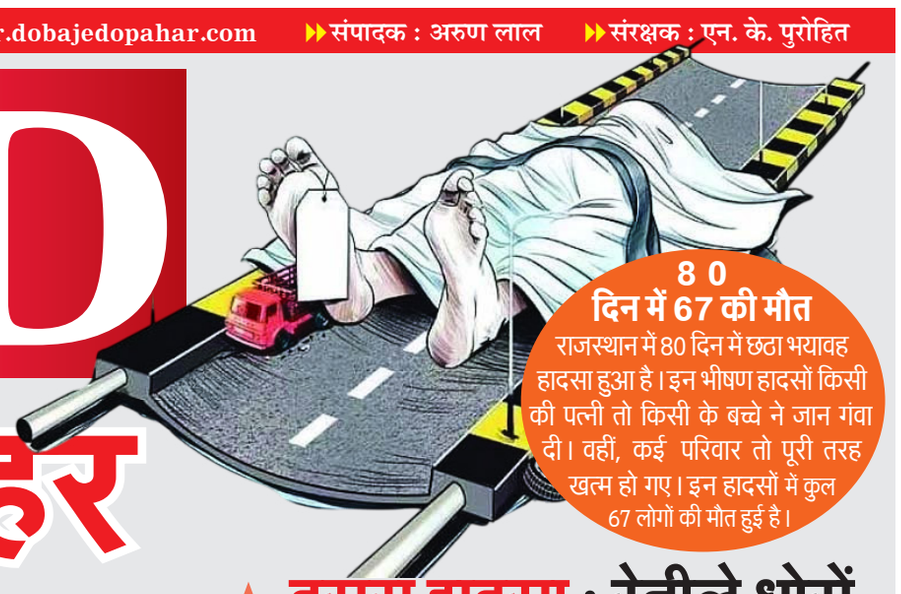

80 दिन में 67 की मौत
राजस्थान में 80 दिन में छठा भयावह हादसा हुआ है। इन भीषण हादसों किसी की पत्नी तो किसी के बच्चे ने जान गंवा दी। वहीं, कई परिवार तो पूरी तरह खत्म हो गए। इन हादसों में कुल 67 लोगों की मौत हुई है।

उत्तर से दक्षिण भारत तक सड़क हादसे की भेंट चढ़ गई 32 से ज्यादा जिंदगी

एजेंसी । रंगारेड्डी/जयपुर

पिछले कुछ दिनों में देश के कई हिस्सों से आई सड़क हादसों की खबरों ने हर दिल को झकझोर दिया है। कहीं बच्चे ने अपनी मां को खोया, तो कहीं किसी पिता की आकस्मिक मौत ने पूरे परिवार की दुनिया उजाड़ दी। कई घटनाओं में तो पूरे परिवार का नाम तक मिट गया। भारत में सड़क हादसों की वजहें नई नहीं हैं। कभी ओवरस्पीडिंग, कभी लापरवाही से ओवरटेक, तो कभी शराब के नशे में गाड़ी चलाना। मगर इसका खामियाज़ा सिर्फ चालकों तक सीमित नहीं रहता। यह उन परिवारों की जिंदगी को हमेशा के लिए अंधेरे में धकेल देता है, जिनका इससे कोई लेना-देना भी नहीं होता।

पहला हादसा : किसी ने 3 बेटियां तो किसी ने बेटा और पिता खोया

हादसों का वक्त मुकर्रर नहीं होता है लेकिन ये जिंदगी भर के लिए गहरे जख्म देते हैं। तेलंगाना के रंगारेड्डी में सोमवार की सुबह कुछ ऐसा ही हुआ। हैदराबाद-बीजापुर हाईवे पर आरटीसी की बस में बैठे लोग मन में ऑफिस और स्कूल-कॉलेज जल्दी पहुंचने की चिंता को लेकर जा रहे थे लेकिन चेवेला में आने वाले मिर्जागुड़ा गांव के पास जैसे ही बस पहुंची सामने से आ रहा गिट्टी से भरा डंपर बस पर पलट गया। हादसे में दो के ड्राइवरों के साथ 19 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 10 महीने का बच्चा, 10 महिलाएं और दोनों वाहनों के ड्राइवर शामिल हैं। जिंदा लोग बस के अंदर ही फंस गए। जिसने यह मंजर देखा वह कांप गया। इसमें कई परिवार बिखर गए, किसी ने अपनी बेटी खोई, किसी ने बेटा तो किसी ने पिता। इनमें येल्लैया गौड़ भी शामिल हैं, जिनकी तीन बेटियों (तनुशा, साई प्रिया और नंदिनी) की इस हादसे में जान चली गई। ये तीनों ही हैदराबाद

के एक कॉलेज में पढ़ती थीं। येल्लैया ने हाल ही में अपनी सबसे बड़ी बेटी अनुषा की शादी की थी, जिसमें पूरा परिवार खुश था और जश्न मनाया था। उनकी बेटियां एक और शादी में शामिल होने के लिए हैदराबाद से आई थीं।

वहीं एन हनुमंथु की जिंदगी उनके काम और परिवार के इर्द-गिर्द घूमती थी। उनको हैदराबाद जाना था और उनकी ट्रेन छूट गई, जिसके बाद उन्होंने बस से जाने का फैसला किया। वह अपने पीछे एक 10 साल का बेटा छोड़कर गए, जो दुर्घटना वाली जगह पर फूट-फूटकर रो रहा था।

शवों को निकालने के लिए बस काटनी पड़ी

पुलिस और बचावकर्मी लोगों को बाहर निकालने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहे थे। बचाव दल को शवों को निकालने के लिए बस को काटना पड़ा। ड्राइवर और उसकी सीट के पीछे का हिस्सा टक्कर में सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। यहां बैठे अधिकांश यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई।

कैसे हुआ हादसा ?

यह हादसा हैदराबाद से लगभग 60 किलोमीटर दूर चेवेल्ला पुलिस स्टेशन क्षेत्र में खानपुर गेट के पास हुआ। यह बस विकाराबाद जिले के तंदूर से हैदराबाद जा रही थी। गलत दिशा से आ रहे डंपर ने बस को सामने से टक्कर मारी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस बुरी तरह डैमेज हो गई और डंपर पर लदी गिट्टी बस के अंदर यात्रियों पर जा गिरी। इससे कई यात्री दब गए। घटना के दिल दहला देने वाले वीडियो सामने आए, जिनमें गिट्टी में दबे यात्री मदद के लिए पुकारते दिखे।

PM ने मृतकों को 2-2 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बस-डंपर दुर्घटना पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (PMNRF) से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की गई है।

दूसरा हादसा : रेतीले धोरों से उठ रही चित्कारें

जयपुर। राजधानी जयपुर के हरमाड़ा इलाके में सोमवार दोपहर हुआ भीषण सड़क हादसा अब तक का सबसे बड़ा बताया जा रहा है। शहर में कुछ ही मिनटों के भीतर ऐसा कोहराम मचा कि पूरे राजस्थान में सन्नाटा छा गया। तेज रफ्तार डंपर ने हरमाड़ा की सड़कों पर मौत का तांडव मचा दिया। जिसने भी यह दृश्य देखा, उसकी रूह कांप उठी। सड़क पर दौड़ते इस डंपर ने एक ही झटके में 13 लोगों की जान ले ली, जबकि 15 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चारों तरफ चीख-पुकार मच गई। कई बाइकें और कारें चपेट में आकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

ब्रेक फेल होते ही 300 मीटर तक मौत का तांडव

पुलिस के अनुसार, हादसे का कारण डंपर का ब्रेक फेल होना बताया गया है। डंपर खाली था, लेकिन तेज रफ्तार में 300 मीटर तक आगे बढ़ते हुए उसने कार, बाइक और ऑटो रिक्शा समेत कई वाहनों को कुचल दिया। देखते ही देखते सड़क पर मलबे और शवों का ढेर लग गया।

स्थानीय लोगों ने बचाई कई जानें

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू किया। उन्होंने गाड़ियों में फंसे घायलों को बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से उन्हें अस्पताल भेजा। घायलों को कांवटिया हॉस्पिटल और एसएमएस ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। अस्पताल प्रशासन ने डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को आपातकालीन ड्यूटी पर तैनात किया।

पीएमओ ने जताई संवेदना

हादसे को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया कि जयपुर, राजस्थान में हुई दुर्घटना में लोगों की मौत से दु:खी हूं। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग शीघ्र स्वस्थ हों। प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

खबर संक्षेप

ऑनलाइन जुआ, सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म पर रोक लगाने की याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार से उस याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें सरकार को ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म पर रोक लगाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। ये एप कथित तौर पर सोशल और ई-स्पोर्ट्स गेम की आड़ में संचालित हो रहे हैं। न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील विराग गुप्ता की दलीलें सुनीं और कहा कि वह मंगलवार को अन्य लंबित याचिकाओं के साथ इस याचिका पर भी सुनवाई करेगी। पीठ ने सरकार से याचिकाकर्ता द्वारा दी गई 'ऑनलाइन गेमिंग एप' के बारे में जानकारी पर कार्रवाई करने को कहा।

रिलायंस कम्युनिकेशंस की 4,462 करोड़ की संपत्ति कुर्क

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई की। ईडी ने नवी मुंबई स्थित धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटी (डीएकेसी) की 132 एकड़ से अधिक भूमि अस्थायी रूप से कुर्क की है। इस संपत्ति का मूल्य 4,462 .81 करोड़ रुपए से अधिक बताया गया है। ईडी मुख्यालय के विशेष कार्य बल ने यह कुर्की धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की है।

'पप्पू' पर सियासी 'चिल्ल-पों'

शेलार ने फडणवीस को पप्पू साबित किया : उद्धव

- उद्धव ठाकरे ने आज खुद को 'पप्पू का पापा' मान लिया: नवनाथ
- दोहरे नाम वाले मुस्लिम मतदाताओं पर चुप्पी क्यों: शेलार

मुंबई। महाराष्ट्र में आगामी निकाय चुनाव से पहले आरोप प्रत्यारोप का दौर हर दिन तेज होता जा रहा है। जहां एक ओर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आशीष शेलार ने ठाकरे बंधुओं पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है। वहीं, दूसरी ओर पूर्व सीएम और शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने एससीआर को लेकर हमला बोला है। शिवसेना (उद्धव) पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर तंज कसते हुए कहा कि मंत्री आशीष शेलार के बयान ने अब खुद फडणवीस को पप्पू साबित कर दिया है। दरअसल शेलार ने सोमवार को मतदाता सूची को लेकर सवाल उठाए थे, जिसके बाद ठाकरे ने कहा कि शेलार का मैं अभिनंदन करता हूं कि उन्होंने एक ही पत्थर से अनेक पक्षी मार दिए हैं। ठाकरे का इशारा शेलार और फडणवीस के बीच संबंधों की ओर था। उद्धव ठाकरे के बयान पर प्रदेश भाजपा मीडिया प्रमुख नवनाथ बन ने कहा कि भाजपा ने सबसे पहले मतदाता सूचियों में गड़बड़ी का मामला उठाया था। अब उद्धव ठाकरे गजनी हो गए हैं।

केंद्र सरकार जेन जेड से डरी हुई है: ठाकरे

सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस करते हुए ठाकरे ने एक-एक कर सत्ता पक्ष पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव आयोग और केंद्र सरकार 'जेन जेड' से डरी हुई है। उन्होंने दावा किया कि एक जुलाई के बाद 18 साल की उम्र पूरी करने वालों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि चुनाव आयोग ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में मतदाता पात्रता के लिए एक जुलाई की कट-ऑफ तिथि तय की है।

तुष्टिकरण की राजनीति के आरोप को खारिज किया

इस दौरान उद्धव ठाकरे ने मतदाता सूची में अनियमितताओं के संबंध में सत्तारूढ़ भाजपा के तुष्टिकरण की राजनीति के आरोप को भी खारिज कर । ठाकरे ने कहा कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची में डुप्लिकेट और फर्जी नामों सहित अन्य खामियों को सुधारना चाहिए। न तो शिवसेना (यूबीटी) और न ही किसी अन्य विपक्षी दल ने किसी भी फर्जी मतदाता का धर्म के आधार पर उल्लेख किया है।

दादर कबूतरखाना बंद करने के खिलाफ जैन संत ने शुरू किया विरोध प्रदर्शन

मुंबई। मुंबई में दादर कबूतरखाना बंद करने पर शुरू हुआ विवाद थम नहीं रहा है। अब जैन संत निलेशचंद्र विजय ने मुंबई के आजाद मैदान पर बीएमसी द्वारा कबूतरखाना बंद करने के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किया है। जैन संत निलेशचंद्र विजय ने दक्षिणी मुंबई में स्थित बीएमसी मुख्यालय के नजदीक अपना विरोध प्रदर्शन सोमवार से शुरू किया और उन्होंने संकेत दिए कि अगर बीएमसी ने उनकी मांगें नहीं मानी तो उनका यह विरोध प्रदर्शन अनिश्चितकाल तक खिंच सकता है। बीएमसी ने हाल ही में मुंबई में चार जगहों पर कबूतरों को दाना खिलाने की नियंत्रित मंजूरी दी है। इसके तहत वर्ली रिजर्वेयर, अंधेरी पश्चिम में लोखंडवाला का मैंग्रोव वाला इलाका, एयरोली-मुलुंड का चेक पोस्ट इलाका और बोरीवली पश्चिम का गोराई ग्राउंड इलाका शामिल है। बीएमसी ने सुबह 7-9 के बीच ही कबूतरों को दाना डालने का इजाजत दी है।

मुंबई कांग्रेस में फिर उठा अकेले लड़ने का मुद्दा

मुंबई। मुंबई कांग्रेस की बैठक में एक बार फिर पार्टी नेताओं ने आगामी बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने की मांग दोहराई। रविवार को हुई इस बैठक में विधायकों, पूर्व विधायकों और नगरसेवकों ने कहा कि गठबंधन की वजह से पार्टी के कई कार्यकर्ताओं को अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। इसलिए कांग्रेस को किसी भी गठबंधन पर निर्भर न रहते हुए अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरना चाहिए। बैठक में मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़, विधायक असलम शेख, अमीन पटेल, ज्योति गायकवाड़ समेत कई पूर्व नगरसेवक उपस्थित थे ।

'अकेले चुनाव लड़ने से बढ़ेगा जनाधार'

बैठक में कुछ वरिष्ठ नेताओं ने यह सुझाव दिया कि यदि कांग्रेस बीएमसी चुनाव अकेले लड़ती है तो शहर में उसका जनाधार और विश्वास दोनों मजबूत होंगे। वहीं, कुछ नेताओं ने पार्टी हाईकमान से आग्रह किया कि जल्द से जल्द गठबंधन पर अंतिम निर्णय लिया जाए ताकि चुनावी तैयारियां समय पर शुरू की जा सकें। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि स्थानीय चुनावों में हर दल के समीकरण अलग होते हैं, इसलिए कांग्रेस को स्वतंत्र रूप से मैदान में उतरना चाहिए। साथ ही, स्थानीय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपने और समय रहते प्रचार अभियान शुरू करने की भी मांग की गई।

बीएमसी चुनाव के लिए बनीं नई कमेटियां

आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने संगठन को मजबूत करने के लिए नई कमेटियों का गठन किया है। इन कमेटियों को रणनीति, प्रचार और चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई है। पूर्व मंत्री सुरेश शेट्टी को घोषणापत्र कमेटी का प्रमुख बनाया गया है, विधायक अमीन पटेल को चुनाव प्रचार कमेटी की कमान सौंपी गई है, जबकि अमरजीत सिंह मन्हास को इलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी का प्रमुख नियुक्त किया गया है। इसके अलावा सुरेशचंद्र राजहंस को वॉर रूम की जिम्मेदारी दी गई है, ताकि बीएमसी चुनाव के लिए कांग्रेस की तैयारी तेज की जा सके।

नगर परिषदों और नगर पंचायतों में नमो उद्यान बनाएगी सरकार

नगर विकास विभाग ने जारी किया शासनादेश

मुंबई। प्रदेश के नगर परिषदों और नगर पंचायतों के क्षेत्रों में अब नए "नमो उद्यान" विकसित किए जाएंगे। सोमवार को राज्य के नगर विकास विभाग ने इस संबंध में शासनादेश जारी किया है। इन उद्यानों को विशेषतापूर्ण योजना के तहत विकसित किया जाएगा, जिसके लिए राज्य सरकार नगर परिषदों और नगर पंचायतों को आवश्यक निधि उपलब्ध कराएगी।

विकास की समयसीमा और रिपोर्टिंग प्रक्रिया

शासनादेश के अनुसार, सभी नगर परिषदों और नगर पंचायतों को 30 जून 2026 तक नमो उद्यान पूरी तरह से विकसित कर जनता के लिए खोलने होंगे। इसके बाद प्रत्येक जिले के जिलाधिकारी को अपने जिले की प्रगति रिपोर्ट 15 जुलाई 2026 तक विभागीय समिति को सौंपनी होगी। विभागीय समिति 10 अगस्त 2026 तक अपने क्षेत्र के प्रथम 3 नमो उद्यानों का चयन कर सरकार को रिपोर्ट भेजेगी, जिसके आधार पर सितंबर 2026 तक विभागीय स्तर पर घोषणा की जाएगी। नमो उद्यानों के चयन के लिए 100 अंकों की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

फिर शुरू होगा 26/11 हमले के साजिशकर्ता अबू जुंदाल का ट्रायल

- हाईकोर्ट ने केंद्र की याचिका मंजूर की

मुंबई। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड अबू जुंदाल के खिलाफ रुका हुआ मुकदमा अब फिर से शुरू होगा। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को एक अहम फैसला सुनाते हुए निचली अदालत के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें जुंदाल को गोपनीय दस्तावेज देने के निर्देश दिए गए थे। इस फैसले के साथ ही सात साल से अटकी 26/11 आतंकी हमले की सुनवाई फिर पटरी पर लौटने जा रही है। न्यायमूर्ति आर.एन. लड्ढा की एकल पीठ ने दिल्ली पुलिस, नागरिक उड्डयन मंत्रालय और विदेश मंत्रालय द्वारा दायर याचिका को मंजूरी दी।

सात साल से ठप था ट्रायल

अबू जुंदाल उर्फ जबीउद्दीन अंसारी पर 26/11 हमले की साजिश रचने और पाकिस्तानी आतंकियों को निर्देश देने का आरोप है। 2018 में ट्रायल कोर्ट ने दस्तावेज देने का आदेश दिया था, जिसके बाद सुनवाई रोक दी गई थी। याचिका लंबित रहने के कारण यह मुकदमा पिछले सात वर्षों से ठप पड़ा था। अब हाईकोर्ट के फैसले से यह मामला दोबारा आगे बढ़ेगा और विशेष अदालत में ट्रायल की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।

महावितरण की पहल | स्मार्ट योजना' के तहत लागू की जाएगी यह योजना

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को 25 साल तक मिलेगी मुफ्त बिजली

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महावितरण ने 'स्वयंपूर्ण महाराष्ट्र आवासीय रूफटॉप (स्मार्ट) योजना' के तहत 'बिलो पावर्टी लाइन' (बीपीएल) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के परिवारों को 25 साल तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा की है। इस योजना के तहत लाभार्थी परिवारों के घरों की छतों पर 1 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट लगाया जाएगा। महावितरण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्रा ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से मिलने वाली सब्सिडी के कारण उपभोक्ताओं को केवल बहुत ही कम राशि का भुगतान करना होगा।

केंद्र सरकार की 'प्रधानमंत्री सूर्यघर' योजना से जुड़ाव

यह पहल केंद्र की 'प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' से जुड़ी है, जिसके अंतर्गत उपभोक्ताओं को एक किलोवाट सौर ऊर्जा परियोजना लगाने पर केंद्र सरकार से 30,000 की सब्सिडी दी जाती है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार भी 17,500 की अतिरिक्त सब्सिडी देगी, जिससे उपभोक्ता बहुत कम राशि में सोलर प्लांट स्थापित कर पाएंगे ।महावितरण ने बताया कि एक किलोवाट क्षमता वाला सोलर प्लांट प्रति माह लगभग 120 यूनिट बिजली उत्पन्न करता है।

पाँच लाख परिवारों को लाभ

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में शुरू की गई इस स्मार्ट योजना के तहत 1.54 लाख बीपीएल और 3 .45 लाख आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों सहित कुल 5 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। ये वे परिवार होंगे जिनकी मासिक बिजली खपत 100 यूनिट से कम है।

राज्य सरकार ने इस योजना के लिए 655 करोड़ का प्रावधान किया है। योजना को "पहले आओ, पहले पाओ" के आधार पर लागू किया जाएगा। हाल ही में हुई राज्य स्तरीय बैठक में योजना के त्वरित कार्यान्वयन के निर्देश जारी किए गए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

8,000 करोड़ की पंचमौली–देवलीपाडा जलविद्युत परियोजना को मंजूरी

मुंबई। प्रदेश सरकार ने धुलिया–नंदूरबार जिले में पंचमौली–देवलीपाडा पंप भंडारण जलविद्युत परियोजना के लिए हरियाणा की जीएससी पीएसपी महाप्राइवेट लिमिटेड कंपनी के साथ 8,000 करोड़ के निवेश का करार किया है। इस परियोजना से लगभग 2,500 लोगों को रोजगार मिलेगा और 1,500 मेगावॉट जलविद्युत उत्पादन संभव होगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में सोमवार को राज्य अतिथिगृह सह्याद्री में हुई बैठक में यह समझौता हुआ। बैठक में जलसंसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कपूर, सचिव संजय बेलसरे, तथा जीएससी पीएसपी कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सुमित नंदा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना से संबंधित पानी के उपयोग, पर्यावरण और अन्य लाइसेंस के लिए 'फास्ट-ट्रैक तंत्र' विकसित किया जाएगा, ताकि काम में तेजी लाई जा सके। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि सह्याद्री पर्वतमाला में पंप भंडारण जलविद्युत परियोजनाओं के लिए अनुकूल भौगोलिक परिस्थिति उपलब्ध है, जिससे महाराष्ट्र को बड़े पैमाने पर ऊर्जा लाभ मिलेगा। सरकार ने ऊर्जा ग्रीड को स्थिर बनाए रखने के लिए ऐसी परियोजनाओं को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में 1 लाख मेगावॉट क्षमता की पंप भंडारण जलविद्युत परियोजनाएं स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय बिजली ग्रीड को भी स्थिरता प्रदान की जा सकेगी।

मराठी मेरी मां है, उत्तर भारत मेरी मौसी, मां मरी तो',

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव से पहले मराठी बनाम गैरमराठी का मुद्दा एक बार फिर गर्मा गया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के विधायक प्रकाश सुर्वे के एक बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। सुर्वे ने एक कार्यक्रम में कहा, "मराठी मेरी मातृभूमि है, मां है, लेकिन उत्तर भारत मेरी मौसी है। मां मर भी जाए तो चलेगा, पर मौसी नहीं मरनी चाहिए, क्योंकि मौसी ज्यादा प्यार करती है।" उनके इस बयान ने मराठी अस्मिता को लेकर राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। इस बयान पर राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मनसे नेता नयन कदम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, "मागाठाणे के मराठी लोगों ने क्या ऐसे विधायक को चुना था, जो अपनी मां को मारकर यूपी की मौसी को बचाने की बात करता है?" वहीं, उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना (उबाठा) ने भी इस बयान की निंदा करते हुए कहा कि यह मराठी मानुष का अपमान है और इस पर विधायक को माफी मांगनी चाहिए।

'30 जून तक कर्जमाफी पर फैसले की बात किसानों का उपहास'

उद्धव ठाकरे का सीएम फडणवीस पर तंज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना (उद्धव-बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सोमवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर जुबानी हमला बोला। ठाकरे ने फडणवीस के उस एलान को लेकर निशाना साधा, जिसमें सीएम ने कहा था कि उनकी सरकार अगले साल 30 जून तक किसानों की कर्ज माफी पर फैसला लेगी। ठाकरे ने कहा कि महायुति सरकार को तुरंत कर्ज माफी लागू करनी चाहिए, ताकि भारी फसल नुकसान झेल चुके किसानों को अपनी जिंदगी दोबारा संवारने में मदद मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि वे 5 नवंबर से चार दिनों के मराठवाड़ा दौरे पर रहेंगे। गौरतलब है कि मराठवाड़ा क्षेत्र में सितंबर के अंतिम हफ्ते में भारी वर्षा हुई थी, जिससे हजारों हेक्टेयर में खड़ी फसलें नष्ट हो गईं। इसे मुद्दा बनाते हुए ठाकरे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "किसान कर्ज माफी की मांग को लेकर सड़कों पर हैं और मुख्यमंत्री कहते हैं कि फैसला जून में होगा। तब तक क्या किसान किश्तें भरते रहें?

केंद्र सरकार पर भी उद्धव का निशाना

उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार की निरीक्षण टीम के मराठवाड़ा दौरे को भी बहुत छोटा बताया और कहा कि दो-तीन दिन में इतने बड़े पैमाने पर हुए नुकसान का आकलन मुमकिन नहीं है। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री से केंद्र सहायता के लिए प्रस्ताव भेजने को कहा था, लेकिन मुझे नहीं लगता ऐसा कोई प्रस्ताव भेजा गया है। यह मजाक है कि पालघर के किसानों को फसल बीमा के तौर पर सिर्फ दो रुपये और कुछ पैसे मिले हैं। राज्य सरकार को तत्काल कर्ज माफी घोषित करनी चाहिए और प्रभावित किसानों को प्रति हेक्टेयर 50,000 रुपये की सहायता देनी चाहिए।" पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी महा विकास आघाड़ी सरकार ने बिना किसी शर्त दो लाख रुपये तक की फसल कर्ज माफी दी थी। ठाकरे ने कहा, "प्रणाली और आंकड़े वही हैं, तो यह सरकार दूसरी किश्त की कर्ज माफी क्यों नहीं घोषित कर रही? हमने किसानों के साथ ईमानदारी बरती थी, अब इस सरकार को भी वैसा ही करना चाहिए।" उन्होंने कहा, "सरकार को किसानों को राहत देनी ही होगी, और मेरी पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि ऐसा हो।" उन्होंने स्पष्ट किया कि अपने दौरे के दौरान वे कोई जनसभा नहीं करेंगे।

बच्चू कडू से मुलाकात के बाद कर्जमाफी पर दिया था बयान

फडणवीस ने 30 अक्तूबर को पूर्व विधायक और प्रहार जनशक्ति पार्टी के नेता बच्चू कडू से मुलाकात के बाद कर्ज माफी को लेकर यह घोषणा की थी। मुख्यमंत्री ने कहा था कि महायुति सरकार ने चुनाव अभियान के दौरान कर्ज माफी का वादा किया था और इस पर अमल के तौर-तरीके तय करने के लिए उनके प्रमुख आर्थिक सलाहकार प्रवीण परदेशी की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति अप्रैल 2026 के पहले सप्ताह में रिपोर्ट सौंपेगी, जिसके बाद 30 जून तक निर्णय लिया जाएगा।

स्थानीय चुनावों से पहले संगठन मजबूत करने में जुटे अजित पवार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राकांपा (अजित) प्रमुख अजित पवार ने आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी संगठन को मजबूत करने की दिशा में तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में उन्होंने पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे और वरिष्ठ नेताओं के साथ मिलकर संगठनात्मक मजबूती पर विस्तृत चर्चा की है।

7 नवंबर तक होंगी जिला स्तरीय बैठकें

अजित पवार ने सोमवार से मुंबई सहित राज्य के अन्य जिलों में पार्टी की जिला कमेटियों के साथ बैठकें शुरू की हैं, जो 7 नवंबर तक चलेंगी। इन बैठकों का उद्देश्य स्थानीय चुनावों से पहले पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना, जमीनी स्तर पर तालमेल बढ़ाना और नेतृत्व के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। बैठकों में स्थानीय चुनौतियों, रणनीति और कार्यकर्ताओं की भागीदारी पर विस्तृत चर्चा की जा रही है।

संगठन सशक्तीकरण पर फोकस

बैठक के बाद पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए पार्टी नेताओं को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिला और तहसील कमेटियों को सर्वे रिपोर्ट, प्रचार टीमों और आवश्यक संसाधनों का पूरा समर्थन मिलेगा। तटकरे ने कहा कि "हमारा लक्ष्य संगठन को मजबूत करना और स्थानीय चुनावों में राकांपा (अजित) की प्रभावी जीत सुनिश्चित करना है।" उन्होंने यह भी जोड़ा कि ये बैठकें केवल समीक्षा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह संगठनात्मक संवाद और समन्वय को सशक्त बनाने का सतत प्रयास हैं। स्थानीय मुद्दों को समय रहते सुलझाकर पार्टी जिला स्तर पर अपनी पकड़ और मजबूत करेगी।

अवैध फेरीवालों पर कार्रवाई के निर्देश

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे के लोक उपवन और वसंत विहार इलाकों में आधी रात तक खाने-पीने की चीज़ें बेचने वाले फेरीवालों से स्थानीय नागरिक बेहद परेशान हैं। इन इलाकों में भीड़भाड़, अवैध गैस चूल्हों का इस्तेमाल और बदमाशों की बढ़ती गतिविधियों ने लोगों का सड़कों पर चलना मुश्किल कर दिया है। करीब 500 परिवारों ने इस समस्या की शिकायत विधायक संजय केलकर से जनसेवक जनसंवाद कार्यक्रम में की। शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, केलकर ने अतिक्रमण विभाग को निर्देश दिया कि ऐसे अवैध फेरीवालों पर तुरंत कठोर कार्रवाई की जाए।

बांग्लादेशी फेरीवाले बने चिंता का कारण

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि कई फेरीवाले बांग्लादेशी नागरिक हैं, जो नारियल पानी बेचने के बहाने सोसायटियों में आते-जाते रहते हैं। विधायक केलकर ने कहा कि "बांग्लादेशी नागरिक फिर से नारियल पानी बेचने लगे हैं, उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।"

जनसंवाद में हुई सहायता वितरण

कार्यक्रम में पूर्व उपमहापौर अशोक भोईर, परिवहन मंत्री सदाय विकास पाटिल, भरत चव्हाण, अनिल भगत, राजेश गाडे और योगेश भंडारी सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे। विधायक संजय केलकर के मार्गदर्शन में संचालित अटल निर्माण एवं घरेलू कामगार संघ, महाराष्ट्र राज्य की ओर से निर्माण और घरेलू श्रमिकों को घरेलू सामान वितरित किया गया। इस अवसर पर सचिन शिंगारे भी उपस्थित थे।

प्रदूषण की शिकायत पर भी मिला समाधान

जन संवाद कार्यक्रम में नागरिकों ने बताया कि मछली बाज़ार के पास स्थित मसाला मिलों से ध्वनि और वायु प्रदूषण फैल रहा है, जिससे श्वसन संबंधी बीमारियाँ बढ़ रही हैं। केलकर ने तुरंत प्रशासन को जांच के आदेश दिए और कार्रवाई के बाद नागरिकों को राहत मिली।

फेरीवाला नीति लागू करने की मांग

विधायक केलकर ने कहा कि ठाणे नगर निगम क्षेत्र में फेरीवाला नीति का पालन नहीं हो रहा है। यदि यह नीति सही ढंग से लागू कर दी जाए, तो अवैध फेरीवालों की समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी।

रोहित आर्य की मौत की मजिस्ट्रेट जांच शुरू

पवई के स्टूडियो में 17 बच्चों को बनाया था बंधक

मुंबई। मुंबई के पवई इलाके में रिकॉर्डिंग स्टूडियो में 17 बच्चों और दो वयस्कों को बंधक बनाने वाले रोहित आर्या की मौत पर स्वतंत्र मजिस्ट्रेट जांच शुरू हो गई है। बता दें कि बीते गुरुवार को आरए स्टूडियो में 17 बच्चों को बंधक बनाए गए बच्चों को बचाते समय पुलिस की कार्रवाई में गोली लग गई थी। बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। उसकी मौत को लेकर संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) सत्यनारायण चौधरी ने सोमवार को बताया कि कानून और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के तहत मजिस्ट्रेट जांच अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा पुलिस की एकमात्र प्राथमिकता थी। चौधरी ने दावा किया कि पुलिस के दो घंटे तक समझाने के बाद भी आर्य बंधकों को नहीं छोड़ रहे थे। आरोपी के हथियार और ज्वलनशील सामग्री ले जाने के कारण पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी। चौधरी के अनुसार, आर्य ने पहले हवा में गोली चलाई, जिसके जवाब में एक पुलिसकर्मी ने उस पर गोली चलाई। रोहित के शव का मुंबई के जेजे अस्पताल में पोस्टमार्टम हुआ और फिर उसका शव पुणे उसके घर ले जाया गया था। शनिवार तड़के रोहित आर्य का अंतिम संस्कार कर दिया गया, जिसमें रोहित की पत्नी, बेटा और परिवार के अन्य करीबी लोग ही शामिल हुए थे। पुलिस के अनुसार, रोहित बीते कुछ समय से अपने परिवार से अलग रह रहा था। शुरुआती जांच में पता चला है कि रोहित का हाल के वर्षों में अपने परिवार के साथ बहुत कम संपर्क था।

शातिर चोर गिरफ्तार

- साढ़े 7 लाख रुपए के गहने व सामग्री जब्त
- 10 चोरी के मामले का खुलासा

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

बदलापुर पुलिस और उल्हासनगर क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई में एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की गई है।गिरफ्तार आरोपी से पुलिस ने लगभग 7 लाख 50 हजार मूल्य के चोरी के गहने और एक्टिवा गाड़ी बरामद की है। इस कार्रवाई से 10 चोरी की घटनाओं का खुलासा हुआ है। पुलिस की इस सफलता की स्थानीय नागरिकों ने सराहना की है।

जांच में सामने आया आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड

29 अप्रैल 2025 को उल्हासनगर मध्यमवर्ती पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक चोरी की घटना दर्ज की गई थी। इसी तरह के मामले बदलापुर और अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में भी दर्ज हुए थे। जांच झोन 4 को सौंपी गई, जिसमें सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पाया गया कि आरोपी कई वारदातों को अंजाम देकर फरार हो गया था।

आरोपी से मिला चोरी का माल

पूछताछ के दौरान आरोपी ने 10 अलग-अलग चोरी की वारदातों को कबूल किया। पुलिस ने उसके पास से 6 .50 लाख के सोने के गहने और 1 लाख मूल्य की एक्टिवा गाड़ी बरामद की। आरोपी पिराणी पाड़ा, ईरानी बस्ती, भिवंडी का निवासी बताया गया है। गिरफ्तार आरोपी को क्राइम ब्रांच की हिरासत में रखा गया है और उससे पूछताछ जारी है। पुलिस को शक है कि आरोपी पहले भी कई चोरी की वारदातों में शामिल रहा है। पुलिस टीम अब आरोपी के अन्य साथियों और उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच में जुटी है।

मुखबिर की सूचना से खुली गुत्थी

पुलिस उपनिरीक्षक अशोक पवार को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी सिंकदर मुमताज जाफरी (60) भिवंडी के सल्लद्दीन विद्यालय परिसर में घूमता हुआ देखा गया है। सूचना के आधार पर बदलापुर पुलिस और उल्हासनगर क्राइम ब्रांच टीम ने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक योगेश पवार के मार्गदर्शन में जाल बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार किया।

अवैध निर्माणों पर कार्रवाई के लिए एक विशेष पथक गठित

ओपी यादव | वसई

वसई-विरार शहर महानगरपालिका ने अनधिकृत और अतिधोकादायक (अत्यंत खतरनाक) निर्माणों को हटाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। नगर आयुक्त के निर्देश पर एक विशेष पथक (दल) गठित किया गया है। हर प्रभाग के लिए एक वरिष्ठ लिपिक और चार कनिष्ठ अभियंताओं की नियुक्ति की गई है, जो अनधिकृत इमारतों, व्यावसायिक स्थलों और चालों की जांच कर कार्रवाई करेंगे।

तीन दिनों में कई स्थानों पर तोड़फोड़ अभियान

30 अक्टूबर से 3 नवंबर 2025 तक विभिन्न प्रभागों में व्यापक कार्रवाई की गई। प्रभाग समिति 'बी' में तुलिंज पुलिस स्टेशन से यशवंत हाइट्स तक, नीलकंठ अपार्टमेंट (बी विंग) और मोरेगांव तालाब के पास 3,600 वर्गफुट क्षेत्र का अवैध निर्माण तोड़ा गया। वहीं, प्रभाग 'सी' में रशीद कंपाउंड, गोकुलवाड़ा, वनोठा पाड़ा और जिवदानी कृपा चाल (G+1) में 17,400 वर्गफुट निर्माण ध्वस्त किया गया।

अन्य प्रभागों में भी चली कार्रवाई

प्रभाग 'ई' में नालासोपारा पूर्व के अलकापुरी स्थित महेश्वरी अपार्टमेंट (G+4), गणपति गली और रेलवे स्टेशन के पास कुल 10,260 वर्गफुट क्षेत्र में कार्रवाई हुई। प्रभाग 'एफ' में सोपारा फाटा, रिचर्ड कंपाउंड और अवदूत आश्रम के सामने 4,900 वर्गफुट अवैध निर्माण तोड़ा गया। वहीं, प्रभाग 'जी' में चिंचोटी से बाबपाणे और मालजीपाड़ा से आर्यन आग्री कट्टा हाईवे तक 20,600 वर्गफुट अवैध निर्माण हटाया गया।

कुल 67,710 वर्गफुट अवैध निर्माण हटाया गया

प्रभाग 'आई' क्षेत्र में रमेदी चर्च और शेड क्षेत्र से 1,050 वर्गफुट, तथा विशेष नियोजन प्राधिकरण के अंतर्गत मौजे टोकरे और मौजे खैरपाड़ा से 9,900 वर्गफुट अवैध निर्माण हटाया गया। वसई-विरार महानगरपालिका ने 30 अक्टूबर से 3 नवंबर 2025 के बीच कुल 67,710 वर्गफुट अवैध और अतिधोकादायक निर्माणों को ध्वस्त करने की कार्रवाई पूरी की है।

ढाबों पर कसेगा कानूनी शिकंजा!

सरकारी विभागों की हो सकती है कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के कई शहरों में "ढाबा कल्चर" तेजी से बढ़ रहा है, और इस मामले में भिवंडी शहर का नाम सबसे आगे आता है। मुंबई जैसे महानगर के नज़दीक होने के कारण यहां के ढाबों पर युवाओं की भारी भीड़ दिखाई देती है। देर रात तक खुले रहने वाले ये ढाबे अब सिर्फ खाने की जगह नहीं रहे, बल्कि युवाओं के मिलन स्थल और मनोरंजन केंद्र बन चुके हैं।

घटिया क्वालिटी के खाने से स्वास्थ्य पर असर

अब खबर है कि सरकारी विभाग और फूड कंट्रोल डिपार्टमेंट ढाबों पर कानून को और सख्त करने जा रहे हैं। कारण यह है कि खाद्य पदार्थों की घटिया क्वालिटी और साफ-सफाई की कमी के चलते लोगों में पेट और त्वचा संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं। सरकार को प्रतिदिन हजारों शिकायतें मिल रही हैं, जिसके चलते अब स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर सख्ती जरूरी हो गई है।

सरकार की सख्त निगरानी और नए नियम

जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की ज़िम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से अब सरकार नए-नए नियम लागू करने जा रही है, ताकि ढाबा व्यवसाय में सुधार लाया जा सके। भविष्य में सभी ढाबों को खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा।

ढाबा संचालकों को संयुक्त मंच बनाने की सलाह

दूसरी ओर, जनता की लगातार शिकायतों के अलावा ढाबा मालिकों की परेशानियां भी कम नहीं हैं। छोटे डिजिटल चैनलों, कुछ आरटीआई एजेंटों और "ह्यूमन राइट्स" के नाम पर डराने-धमकाने वालों से वे परेशान हैं। इस स्थिति में विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि ढाबा संचालक एक संयुक्त प्लेटफॉर्म बनाकर संगठित रूप से काम करें, ताकि प्रशासनिक और सामाजिक दोनों चुनौतियों से निपटते हुए वे शांति से अपना व्यवसाय चला सकें।

कानूनी नियमों की अनदेखी पर कार्रवाई तय

अब तक होटल और ढाबों का कारोबार जैसे-तैसे चलता रहा, मगर अब कानून के तहत सभी ढाबों को लाइसेंस, स्वच्छता और सुरक्षा संबंधी मानकों का पालन करना होगा। सूत्रों के अनुसार, भिवंडी क्षेत्र में अधिकांश ढाबे सरकारी गाइडलाइन के अनुरूप कार्य नहीं कर रहे हैं, जिसके चलते बड़े पैमाने पर कार्रवाई की संभावना है।

ग़ैरकानूनी गतिविधियों पर पुलिस की कार्रवाई

बीते समय में भिवंडी के कई ढाबों पर पुलिस और प्रशासनिक विभागों ने छापेमारी की थी। हुक्का पार्लर चलाने जैसी ग़ैरकानूनी गतिविधियों के चलते कई ढाबों के लाइसेंस भी रद्द किए गए। कुछ जगहों पर शराब परोसने और बिना अनुमति के संगीत कार्यक्रम आयोजित करने के आरोपों पर भी पुलिस ने सख्त कदम उठाए हैं।

कलवा आरक्षित वन में अतिक्रमण की साजिश नाकाम

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

वन विभाग ने कलवा क्षेत्र के ठाकुरपाड़ा (कारगिल खोंडा) स्थित आरक्षित वन क्षेत्र पर अतिक्रमण की कोशिश को नाकाम कर दिया है। वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और अतिक्रमण में उपयोग की जा रही संपत्ति को ज़ब्त कर लिया। विभाग ने चेतावनी दी है कि वन भूमि पर नज़र रखने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

गोपनीय सूचना पर आधी रात को छापा

वन विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि कलवा क्षेत्र में आरक्षित वन भूमि पर अनधिकृत निर्माण किया जा रहा है। इस जानकारी के आधार पर वन परिक्षेत्र अधिकारी नरेंद्र मुठे के मार्गदर्शन में देर रात छापा मारा गया। कार्रवाई के दौरान टीम ने एक टेंपो से लगभग 800 ईंटें उतारते हुए देखा, जिससे स्पष्ट हुआ कि भूमि पर अतिक्रमण की तैयारी चल रही थी।

न्यायिक हिरासत में भेजा गया आरोपी

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को ठाणे की माननीय प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उसे 14 नवंबर 2025 तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। फिलहाल आरोपी ठाणे सेंट्रल जेल में बंद है। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय नागरिकों में संतोष और विश्वास का माहौल बना है।

चालक गिरफ्तार, वाहन ज़ब्त

इस कार्रवाई में टेंपो चालक सचिन केडासे को मौके पर ही हिरासत में लिया गया और उसके खिलाफ भारतीय वन अधिनियम, 1927 के तहत गंभीर मामला दर्ज किया गया। अपराध में प्रयुक्त टेंपो वाहन को जब्त कर लिया गया है, जबकि वाहन मालिक दिनेश यादव फरार है। वन विभाग ने उसकी तलाश शुरू कर दी है।

आरक्षित वन भूमि पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं: नरेंद्र मुठे

वन क्षेत्र अधिकारी नरेंद्र मुठे ने कहा कि आरक्षित वन क्षेत्र सार्वजनिक संपत्ति है। इस पर अतिक्रमण करने वालों को किसी भी परिस्थिति में अनुमति नहीं दी जाएगी। भविष्य में ऐसी अवैध गतिविधियों के खिलाफ और भी तीव्र व कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एयरपोर्ट पर 1.14 करोड़ की हाइड्रोपोनिक वीड बरामद

28 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने सोमवार को बैंकॉक से आए एक यात्री को 1.14 करोड़ रुपये मूल्य की हाइड्रोपोनिक वीड की कथित तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अंधेरी (पश्चिम) निवासी अरफात शेख (28) के रूप में की गई है।

सीमा शुल्क विभाग को विशेष खुफिया सूचना मिली थी कि एक यात्री बैंकॉक से मुंबई के लिए मादक पदार्थ लेकर आ रहा है। इस सूचना के आधार पर अधिकारियों ने सोमवार तड़के अरफात शेख को हवाई अड्डे पर रोका। तलाशी के दौरान उसके ट्रॉली बैग से कपड़े, चॉकलेट पैकेट्स, दो शैम्पू की बोतलें और दो स्नैक कंटेनर बरामद हुए।

1144 ग्राम वजन वाले 28 पैकेट मिले

जांच के दौरान शैम्पू की बोतलों और स्नैक कंटेनरों को खोलने पर अंदर से 1144 ग्राम वजन वाले कुल 28 पैकेट मिले। जांच में पुष्टि हुई कि ये पैकेट हाइड्रोपोनिक वीड (Hydroponic Weed) यानी उच्च गुणवत्ता वाली गांजा की प्रजाति के थे, जिनका बाजार मूल्य लगभग 1.14 करोड़ रुपये आंका गया।

एनडीपीएस अधिनियम के तहत गिरफ्तारी

सीमा शुल्क अधिकारियों ने आरोपी की स्वीकारोक्ति और बरामदगी के आधार पर उसे मादक द्रव्य एवं मन :प्रभावी पदार्थ अधिनियम (NDPS Act) के तहत गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि शेख ने अपराध करने की बात स्वीकार की है और उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू की गई है।

सहयोगियों की तलाश में जांच जारी

सीमा शुल्क विभाग ने बताया कि जांच अभी प्रारंभिक चरण में है। आरोपी के नेटवर्क और सहयोगियों की पहचान के लिए आगे की जांच जारी है। अधिकारी ने कहा कि इस मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता का पता लगाने और गिरोह के मुख्य सरगनाओं तक पहुंचने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

आरोपी ने छिपाने और घोषणा न करने की बात कबूली

पूछताछ के दौरान आरोपी अरफात शेख को सम्मन जारी किया गया और उसका स्वैच्छिक बयान दर्ज किया गया। बयान में उसने स्वीकार किया कि उसने इस मादक पदार्थ को अपने चेक-इन बैग में छिपाया था और इसकी घोषणा नहीं की थी। उसने यह भी बताया कि यह सामग्री उसे पैसे के बदले ले जाने के लिए दी गई थी।

बीएमसी पर बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी प्रमाणपत्र देने के आरोप

भाजपा नेता किरीट सोमैया ने किया दावा

मुंबई। महाराष्ट्र में फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। आरोप है कि मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) की ओर से बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी जन्म प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने दावा किया है कि यह एक बड़ा प्रशासनिक घोटाला है, जिसमें बीएमसी के कुछ अधिकारी भी शामिल हैं।

बीएमसी आयुक्त और पुलिस अधिकारियों के साथ अहम बैठक

इस मुद्दे पर सोमवार को मुंबई में एक अहम बैठक बुलाई गई, जिसमें मुंबई के पालकमंत्री आशीष शेलार, बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी, और मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद किरीट सोमैया ने कहा कि उन्होंने बीएमसी आयुक्त को एक हजार से अधिक फर्जी प्रमाणपत्रों की सूची और ठोस सबूत सौंपे हैं। बीएमसी आयुक्त ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए 24 घंटे के भीतर मामला दर्ज करने का आश्वासन दिया है।

जांच समिति का गठन और चुनाव आयोग से शिकायत

सोमैया ने बताया कि बीएमसी के दो अधिकारी इस फर्जीवाड़े में शामिल पाए गए हैं, जिन पर जल्द ही कार्रवाई होगी। बीएमसी आयुक्त ने इसके लिए एक विशेष जांच टीम (SIT) गठित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि यह घोटाला पहले सामने आए 2024 के 2 लाख फर्जी प्रमाणपत्र प्रकरण से भी जुड़ा हो सकता है, जिसकी जांच अभी जारी है। भाजपा नेता सोमैया ने इस मामले की शिकायत चुनाव आयोग से भी की है। चुनाव आयोग ने उन्हें आश्वासन दिया है कि राज्य में विशेष पुनरीक्षण (SIR) के दौरान ऐसे फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर बने मतदाता सूची के नाम हटाए जाएंगे। इस नए खुलासे से महाराष्ट्र की राजनीति में फिर एक बार हलचल मच गई है।

महाराष्ट्र परिचय केंद्र के निदेशक बने बागुल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

हेमराज बागुल ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित महाराष्ट्र परिचय केंद्र के निदेशक का कार्यभार संभाला। यहां महाराष्ट्र सरकार की स्थानिक आयुक्त और सचिव आर. विमला ने बागुल को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र परिचय केंद्र की जनसंपर्क अधिकारी मनीषा पिंगले भी उपस्थित रहीं।बागुल महाराष्ट्र सूचना एवं जनसंपर्क महानिदेशालय में वरिष्ठ निदेशक हैं और मंत्रालय के मुख्यालय में निदेशक (प्रशासन) के पद पर कार्यरत थे। इससे पहले वे मुख्यमंत्री के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी और महानिदेशालय के नागपुर-अमरावती संभाग तथा औरंगाबाद-लातूर संभाग के निदेशक का दायित्व संभाल चुके हैं। सरकारी सेवा में आने से पहले, श्री बागुल ने पत्रकारिता के क्षेत्र में भी अपनी सेवा प्रदान की थी।। श्री बागुल को विभिन्न प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है।

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA/CO/OW/2025/ ४४३५७ सहकार कक्ष, झोपुप्रा, बृहन्मुंबई
जा.क्र. झोपुप्रा / सहनिस/कार्यासन-१/टेसी४/सनर२०२५ दिनांक :- ०३/११/२०२५

- :सोडत पध्दतीने सदनिका वाटपाची नोटीस: -

मालाड गणेश प्रसाद एस. आर. ए. सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्यादित, श्री जय संतोषी माता एसआरए सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्यादित आणि गणेश कृपा एसआरए सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्यादित., न.भु.क्र. १०४ (पार्ट), १९८ / ई / आय पार्ट, ११८ / एच, ११८ / एल पार्ट, ११८ / जी पार्ट, व्हिलेज मालाड, गणेश टेकडी नं. १, मालाड (पूर्व) मुंबई - ४०० ०९७ या संस्थेच्या पुनर्वसन योजनेतील मंजुर परिशिष्ट - २ मध्ये पात्र झोपडीधारकांना पुनर्वसन इमारतीमध्ये निवासी सदनिकांचे सोडत पध्दतीने सदनिका वाटप करणेकरिता मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था (पुर्व व पश्चिम उपनगरे) झो.पु. प्रा. बृहन्मुंबई यांचेकडील दिनांक २७/१०/२०२५ रोजीच्या पत्रान्वये प्राधिकरणाचे परिपत्रक क्र. १६२ नुसार ६५ निवासी पात्र झोपडीधारक यांना संस्थेच्या पुनर्वसन इमारत क्र. ७ मधील विंग ए मधील निवासी सदनिकेचे सोडत पध्दतीने वाटप करण्यासाठी माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणुन नियुक्ती करण्यात आलेली आहे.

सदर पुनर्वसन इमारत क्र. ७ मधील विंग ए मधील निवासी **सदनिका वाटप सोडतीचा कार्यक्रम सोमवार, दिनांक १०/११/२०२५ रोजी दुपारी ठिक २:०० वाजता प्राधिकरणाच्या कार्यालयात लॉटरी अलॉटमेंट पोर्टल सर्व्हर वर ऑनलाईन पध्दतीने झुम ॲप (Zoom App) वर आयोजित केलेला आहे.**

विषय - झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरणाकडील परिपत्रक क्र. १६२ नुसार ऑनलाईन झुमॲप (Zoom App) वर सोडत पध्दतीने ६५ निवासी पात्र झोपडीधारक यांना सदनिकेचे वाटप करणे.

Meeting ID : 872 55281169
Passcode : 123456
ठिकाण : मुंबई
दिनांक : ०३/११/२०२५

सही/-
(अरुण जाधव)
प्राधिकृत अधिकारी तथा सहकारी अधिकारी श्रेणी १, झोपुप्रा, बृहन्मुंबई

टिप : १) सोडतीसाठी पात्र (पती/पत्नी) झोपडीधारकांनीच ऑनलाईन लॉटरीमध्ये विहीत वेळेत व तारखेस सहभागी व्हावे.
२) सोडतीच्या वेळी ज्या झोपडीधारकांचे नांव परिशिष्ट - २ मध्ये पात्र आहेत अशा व्यक्ती अंध, अपंग, विधवा महिला, कुटुंब प्रमुख यांनी पुनर्वसन इमारतीमधील खालच्या मजल्यावरील सदनिकांची प्राधिकरणाच्या sravcmumbai@gmail.com या ईमेल आयडीवर **दिनांक ०७/११/२०२५** पर्यंत लेखी पत्राने मागणी केल्यास परिपत्रकातील तरतुदीनुसार सदनिका वाटप करण्यांत येईल. सदर गटातील व्यक्तींनी ईमेल आयडीवर शासनमान्य अंध, अपंग, विधवा याबाबतचा पुरावा दाखल सादर करावा. तसेच विधवा झोपडीधारकांनी पतीचा मृत्यु दाखला सदर अर्जासोबत सादर करणे आवश्यक आहे.

मनसे और मविआ फर्जी मुस्लिम मतदाताओं पर मौन: आशीष शेलार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र भाजपा के वरिष्ठ नेता और मंत्री आशीष शेलार ने सोमवार को मुंबई में आरोप लगाया कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और महाविकास आघाड़ी (मविआ) मतदाता सूची में दर्ज फर्जी मुस्लिम मतदाताओं पर कोई कार्रवाई या आवाज नहीं उठा रही हैं, जबकि केवल फर्जी हिंदू मतदाताओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि "यह वोट जिहाद की तरह है" और इन्हीं फर्जी मुस्लिम मतदाताओं की वजह से मविआ के कई उम्मीदवार लोकसभा चुनावों में विजयी हुए हैं।

'मतदाता सूची से त्रुटियां हटाना जरूरी'

शेलार ने कहा कि "उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को स्वच्छ और निष्पक्ष मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए भाजपा की पहल का समर्थन करना चाहिए।" उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा किसी समुदाय के खिलाफ नहीं है, बल्कि मतदाता सूची से सभी तरह की गलत प्रविष्टियों को हटाने की मांग कर रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल मराठी और हिंदू मतदाताओं के लिए संशोधन चाहता है, जो सही नहीं है।

भाजपा ने उठाया विशेष पुनरीक्षण का मुद्दा

पत्रकारों से बातचीत में शेलार ने कहा कि मनसे और मविआ ने फर्जी मतदाताओं की जानकारी देते समय केवल हिंदू नामों का उल्लेख किया, जबकि राज्य के 31 विधानसभा क्षेत्रों में बड़ी संख्या में फर्जी मुस्लिम मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की पहल की है, जिसका कांग्रेस ने बिहार में विरोध किया था।

मध्य रेल

आपूर्ति, स्थापना एवं विभिन्न अन्य कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं के लिये सिनियर मंडल बिजली इंजीनियर (गतिशक्ती युनिट), 3 रा तल, ओल्ड एरिया मैनेजर की इमारत, पी. डी' मेलो रोड, वाड़ीबंदर, मुंबई - 400010 द्वारा प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निविदा (सिंगल पैकेट सिस्टम मे) **www.ireps.gov.in** वैबसाइट के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है। व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत निविदा स्वीकार नहीं कि जायेगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि **02/12/2025** और समय **15.00 बजे** तक है। निविदा उसी दिन **15.15 बजे** के बाद खोली जाएगी। **कार्य विवरण:** मध्य रेल के मुंबई मंडल में तलोजा पंचानंद गुड्स शेड में रेल स्तर की अतिरिक्त पूर्ण लंबाई वाली गुड्स हैंडलिंग लाइन के प्रावधान के संबंध में 25 केवी, एसी ओएचई संशोधन कार्य की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य। **लगभग मूल्य (रुपये):** ₹ 88.22 लाख। **बोली प्रतिभूति: (Bid Security):** ₹ 1,76,400/-. **ऑफर की वैधता:** 60 दिन। **समापन की अवधि:** 12 महिने (मॉन्सून सहित)। निविदा का पूरा विवरण भारतीय रेल के कार्यालय के वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। पूर्ण निविदा दस्तावेज उपरोक्त वैबसाइट से डाउन लोड किया जा सकता है।

ई-निविदा सं.: बीबी.ईएल.जीएसयू.ओएचई.2025-26/3R
दिनांक: 01/11/2025

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रुप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

Sai/612

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ई-निविदा सूचना

विभाग	मुख्य अभियंता (मलनिस्सारण संचालन)
विभागीय कार्यालय	कार्यकारी अभियंता (यांत्रिक) (मुख्य मलनिस्सारण) पश्चिम उपनगर
निविदा आयडी	2025_MCGM_1237689_1
विषय	मुख्य मलनिस्सारण पश्चिम उपनगर विभाग (मलनिस्सारण संचालन विभाग) अंतर्गत स्थल कार्य हेतु बोलार्ड सहित तथा बिना बोलार्ड के बैरिकेडिंग की आपूर्ति।
निविदा बिक्री अवधि	दिनांक 04.11.2025, समय 11:00 बजे से लेकर दिनांक 18.11.2025, समय 16:00 बजे तक।
वेबसाइट	https://www.portal.mcgm.gov.in
संपर्क अधिकारी	A) नाम: श्री. ए. डी. कालबांडे B) दूरध्वनि क्रमांक: 022-48015569 C) मोबाइल क्रमांक: 9819708098 D) ई-मेल पत्ता: eemechmsws.so@mcgm.gov.in

पीआरओ./2078 / विज्ञा. / 2025-26

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (यांत्रिक)
(मुख्य मलनिस्सारण) पश्चिम उपनगर

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

वकील असीम सरोदे का लाइसेंस तीन महीने के लिए निलंबित

बार काउंसिल ने की सख्त कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल ने विवादास्पद बयान देने के मामले में वकील असीम सरोदे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उनका वकालत का लाइसेंस तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया है। साथ ही बार काउंसिल ने सरोदे पर 30,000 का जुर्माना भरने का भी आदेश दिया है। फिलहाल असीम सरोदे ने इस निर्णय पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।उल्लेखनीय है कि असीम सरोदे ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा था कि "न्यायपालिका सरकारी दबाव में काम कर रही है और फैसले सत्तारूढ़ सरकार के पक्ष में दिए जा रहे हैं।" इसके अलावा उन्होंने राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष के लिए "फालतू" जैसे शब्दों का प्रयोग किया था। इस बयान को जनहित विरोधी बताते हुए एक याचिका महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल में दायर की गई थी। इस प्रकरण की जांच के लिए बार काउंसिल ने एडवोकेट विवेकानंद घाटगे की अध्यक्षता में एक समिति गठित की थी। जांच में पाया गया कि असीम सरोदे का बयान न्यायपालिका के प्रति अविश्वास प्रकट करने वाला था।

सार्वजनिक सूचना

मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, मुंबई
(महाराष्ट्र मोटर वाहन नियम, १९८९ की धारा २६० (१) के अंतर्गत सूचना)

आवेदन संख्या : एमएसीपी. एम.ए./७६/२०२५
सुधींद्रनाथ बरिंद्रनाथ चटर्जी ...आवेदक
बनाम
सलीम खान ...बनाम पक्षकार
और
रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ...बीमाकर्ता

प्रति,
सलीम खान
पता- जनता नगर, राहिवासी संघ, मानखुर्द, हनुमान मंदिर के पास, मुंबई ४०००३३, मुंबई, महाराष्ट्र

संलग्न आवेदन के अनुसार, आपके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम, १९८८ की धारा १६५, उपधारा (१) में निर्दिष्ट प्रकार के दुर्घटना के संबंध में, मोटर वाहन अधिनियम, १९८८ की धारा १६६ और १४० के अंतर्गत मुआवज़ा प्राप्त करने हेतु एक आवेदन दायर किया गया है। अतः उक्त आवेदन की सुनवाई दिनांक २२-०८-२०२५ को सुबह ११:०० बजे, माननीय सदस्य श्री शशिकांत एकनाथराव बांगर के न्यायाधिकरण में की जाएगी और उस पर निर्णय दिया जाएगा। कृपया इसकी जानकारी रखें।

इस नोटिस के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर उल्लिखित तिथि को आपको स्वयं उपस्थित रहना आवश्यक है तथा यदि आप कोई साक्ष्य या प्रमाण प्रस्तुत करना चाहते हैं, तो उसे उस दिन प्रस्तुत करें।आवेदन में किए गए दावे के संबंध में आप अपना लिखित बयान (लेखी निवेदन) भी दाखिल कर सकते हैं।इस नोटिस के माध्यम से आपको यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निर्धारित तिथि को उपस्थित नहीं हुए या साक्ष्य प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे, तो उक्त आवेदन की सुनवाई और निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा। कृपया इस बात की जानकारी रखें।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और न्यायाधिकरण की मुहर सहित दिनांक १०-०७-२०२५ को दी जा रही है।

आदेश पर
हस्ताक्षर/-
सदस्य - **मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण,**
९, हजारीमल सोमानी मार्ग, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस के सामने, मुंबई ४०००० १

न्यायालय की मुहर

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल
(महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई)
म्हाडा MHADA
दूरभाष संख्या: 022-66405432, ईमेल: eewest.msib@mhada.gov.in

संदर्भ क्रमांक: EE/West/MSIB/e-Tender/188/2025-26

ई-निविदा सूचना क्र. 188

कार्यकारी अभियंता (पश्चिम विभाग), मुंबई स्लम सुधार मंडल (म्हाडा की इकाई), कक्ष क्र. 537, चौथी मंज़िल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई – 400 051 दूरभाष क्रमांक: (022) 66405432 पश्चिम उपनगर, मुंबई स्थित डी.डी.आर.-III के साथ पंजीकृत श्रमिक सहकारी संस्थाओं से बी-1 (प्रतिशत दर) के रूप में 3 कार्यों के लिए ई-निविदाएँ ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं। निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र शासन के पोर्टल **https://maha-tenders.gov.in** से डाउनलोड किए जा सकते हैं। बोलीदाता अपनी निविदाएँ इसी वेबसाइट पर अपलोड कर सकते हैं।

क्र.	चरण विवरण	समय अवधि की तिथि	क्र.	चरण विवरण	समय अवधि की तिथि
1)	दस्तावेजों की बिक्री प्रारंभ	07/11/2025, प्रातः 10.30 बजे	2)	दस्तावेजों की बिक्री समाप्ति	14/11/2025 अपराह्न 3.00 बजे
3)	तकनीकी बोली खोलना	17/11/2025, अपराह्न 3.05 बजे से आगे	4)	मूल्य बोली खुलने की तिथि	18/11/2025 प्रातः 10.30 बजे से

सक्षम प्राधिकारी बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। सशर्त प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएँगे।
नोट: 1 कृपया वेबसाइट पर विस्तृत निविदा सूचना देखें।
नोट: 2 यदि कोई शुद्धिपत्र/संशोधन हो, तो उसे केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जा सकता है।

Follow us: @mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/874

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (W),
एम.एस.आई.बी. बोर्ड, मुंबई

म्हाडा-राष्ट्र में अग्रणी आवास प्राधिकरण

कुळगांव बदलापूर नगरपरिषद
नगरपरिषद दुबे रुग्णालय ईमारत, पहिला मजला, आदर्श विद्यामंदिर, बदलापूर रेल्वे स्टेशन(पूर्व) कुलगांव,पिन-४२१५०३,ता.अंबरनाथ,जि.ठाणे
ईमेल- kulgaonbadalapur@maharashtra.gov.in वेबसाइट- https://kbmc.gov.in

संदर्भः कुबनप/उद्यान २२५/२०२५-२०२६ दिनांक ०३-११-२०२५

जाहीर ई-निविदा सूचना क्रमांक: १६/२०२५-२६

कुळगाव बदलापूर नगरपरिषद जिल्हा-ठाणे यांजकडून खालील कामांसाठी महाराष्ट्र शासनाच्या नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून ई-निविदा मागविण्यात येत आहे.

अ.क्र	कामाचे नाव	अंदाजित रक्कम रु	इसारा रक्कम रु	निविदा फॉर्म फी रु	कामाचा कालावधी
१	कुळगाव बदलापूर नगरपरिषद हद्दीतील बेलवली स्मशानभूमी भोवती उंच झाडे लावणे.	रु.९,८२,९४०=००	रु,१०,०००=००	रु.११८०=००	२ महिने
२	कुळगाव बदलापूर नगरपरिषद हद्दीतील वृक्षांना गेरू व पांढरा पट्टे मारणे.	रु.९,९५,५२५=००	रु.१०,०००=००	रु.११८०=००	२ महिने
३	कुळगाव बदलापूर नगरपरिषद हद्दीतील वार्ड क्रमांक ११ मधील उद्यान १ वर्षासाठी देखभाल करणे.	रु.९,९३,६००=००	रु,१०,०००=००	रु.११८०=००	१२ महिने
४	कुळगाव बदलापूर नगरपरिषद हद्दीतील वार्ड क्र. २५ मधील तानाजी मालुसरे उद्यान सुशोभीकरण करणे.	रु.९,९८,९७९=००	रु.१०,०००=००	रु.११८०=००	२ महिने
५	कुळगाव बदलापूर नगरपरिषद हद्दीतील वार्ड क्र. ४३ मधील डॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी उद्यान सुशोभीकरण करणे.	रु.९,९८,९७९=००	रु.१०,०००=००	रु.११८०=००	२ महिने

सदर निविदेबाबत चा तपशील खालीलप्रमाणे देण्यात येत आहे.
१) ई निविदा विक्री संच ठिकाण http//mahatenderers.gov.in दि. ४/११/२०२५ ते ११/११/२०२५ दुपारी ३.०० वाजता
२) ई निविदा धारकांनी ई निविदा सादर करण्याची अंतिम दि.११/११/२०२५ रोजी दुपारी ३.०० वाजेपर्यंत
३) मुख्याधिकारी कुळगाव बदलापूर नगरपरिषद यांचे कार्यालयात दिनांक १२/११/२०२५ रोजी दुपारी ४:०० वाजता शक्य झाल्यास ई निविदा उघडण्यात येईल. त्यानंतर पात्र निविदा धारकांचा आर्थिक बोलीचा लिफाफा उघडनेत येईल.
निविदा फॉर्म प्राप्त करण्याच्या व भरण्याच्या अटी व शर्ती खाली नमूद केल्याप्रमाणे राहतील.
अ) महाराष्ट्र शासनाचे बांधकाम विभाग अथवा सक्षम खात्याचे नोंदणी प्रमाणपत्र नोंदणी ठेकेदार
ब) आयकर विवरणपत्र, GST प्रमाणपत्र.
क) उपरोक्त कामाकरिता निविदा सादर करताना सर्व करासहित निविदा भरावी.
ड) कामाचे अनुभव प्रमाणपत्र
इ) निविदा संदर्भात नगरसेवकांशी प्रत्यक्ष किंवा अप्रत्यक्ष संबंध नसल्याचे परिशिष्ट अ प्रमाणे प्रतिज्ञापत्र
उ) शपथपत्र ५०० रु च्या स्टॅम्प पेपरवर कागदपत्रा संबंधी,
४) वित्तीय बोलीचा लिफाफा क्रमांक २
अ) मूळ प्रतीतील दरपत्रक
५) प्राप्त निविदा स्वीकारण्याचा अथवा कारणाशिवाय सर्व निविदा नाकारण्याचा अधिकार निम्नस्वाक्षरीकार यांनी राखून ठेवला आहे.

सही/-
मुख्याधिकारी
कुळगांव बदलापूर नगरपरिषद कुळगाव

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस जयपुर के बीच विशेष ट्रेन चलाएगा

ट्रेन नंबर	शुरुआती स्टेशन और डेस्टिनेशन	सेवा की तारीख	प्रस्थान	आगमन
09730	बांद्रा टर्मिनस -जयपुर	05.11.2025	09:30 बजे (बुधवार)	06:45 बजे (अगला दिन)
09729	जयपुर -बांद्रा टर्मिनस	04.11.2025	08:10 बजे (मंगलवार)	04:55 बजे (अगला दिन)

हॉल्ट: बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, मंडल, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर और किशनगढ़ स्टेशन दोनों दिशाओं में।

कंपोजिशन: AC 2-टियर, AC 3-टियर, AC 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच।

समय, ठहराव और रचना के बारे में पूरी जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन नंबर 09730 की बुकिंग 04.11.2025 से सभी PRS काउंटर और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। ऊपर बताई गई ट्रेन स्पेशल ट्रेन के तौर पर स्पेशल किराए पर चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें X.com/WesternRly
हमें फॉलो करें Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

संपादकीय

प्रेस की आज़ादी में बाधा

इसे दुर्भाग्यपूर्ण विडंबना ही कहा जाएगा कि जिस 2 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकारों के खिलाफ दुराग्रह व हिंसा से मुक्ति के लिये मनाया जाता है, उसी दिन पंजाब भर में पुलिस द्वारा अखबारों को पाठकों तक पहुंचने से रोका गया। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिन को मनाये जाने का उद्देश्य अभिव्यक्ति की आजादी और सूचना तक सार्वभौमिक पहुंच पर मंडराते खतरों के खिलाफ चेतना जगाना रहा है। वहीं इस दिन पंजाब पुलिस ने रविवार तड़के समाचार पत्र ले जाने वाले वाहनों को रोककर कथित जांच का उपक्रम किया। फलतः लाखों पाठक आपने पसंदीदा समाचार पत्रों का बेसब्री से इंतजार करते रह गए। निश्चित रूप से उन लोगों के लिये यह कष्टदायक ही रहा होगा, जिनके दिन की शुरुआत ही अखबार के साथ चाय-कॉफी से होती है। वे घंटों प्रतीक्षा करते रह गए, लेकिन पुलिस कार्रवाई के चलते उन तक समाचार पत्र नहीं पहुंचे। हालांकि, इस कार्रवाई के बाबत पुलिसिया दलील किसी के गले नहीं उतरी। पुलिस का दावा था कि यह जांच खुफिया एजेंसियों की सूचना पर आधारित थी कि इन वाहनों का उपयोग नशे, हथियार व प्रतिबंधित चीजों की तस्करी के लिये किया जा सकता है। हालांकि, ऐसी प्रतिबंधित व आपराधिक श्रेणी में आने वाली किसी वस्तु का कोई सुराग नहीं मिला। लेकिन पुलिस की कथित कार्रवाई पर तमाम तरह के सवाल जरूर उठे। पत्रकारों तथा तमाम मीडिया संगठनों ने समाचार पत्रों के वितरण में बाधा डालने की इस आपत्तिजनक कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दलों ने सत्तारूढ आम आदमी पार्टी की सरकार पर प्रेस की आजादी पर हमला करने को दुर्भाग्यूपर्ण घटना बताया। इसे मीडिया पर हमला बताते हुए इसे पंजाब सरकार की ओर से लगाया गया अघोषित आपातकाल बताया गया। यह भी आरोप लगा कि भगवंत मान सरकार ने उसे परेशान करने वाली खबरों पर रोक लगाने के मकसद से पुलिस के जरिये यह दमनात्मक कार्रवाई की। यह घटना अभिव्यक्ति की आजादी पर ऐसा हमला है, जिसे किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसमें दोराय नहीं कि सीमावर्ती राज्य पंजाब की पाकिस्तान के साथ लगी इतनी लंबी सीमा है कि सुरक्षा के नजरिये से किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जा सकती है। लेकिन इसके बावजूद राज्य सरकार को सतर्कता और पारदर्शिता के बीच बेहतर संतुलन बनाना चाहिए। रविवार को अखबार ले जाने वाले वाहनों पर कार्रवाई शुरू करने से पहले मीडिया घरानों और समाचार पत्र आपूर्तिकर्ताओं सहित सभी हितधारकों को विश्वास में लिया जाना जरूरी था। निश्चित रूप से इससे व्यवधान और भ्रम की स्थिति से बचा जा सकता था। निर्विवाद रूप से मीडिया की स्वतंत्रता किसी स्वस्थ लोकतंत्र की आधारशिला है। यहां तक कि पंजाब के सबसे मुश्किल दौर में भी यह जरूरी है। सरकार और पुलिस को चरमपंथ के चरम वक्त को याद करने की सलाह दी जानी चाहिए, जब पुलिस सुबह के दौरे में साइकिल पर सवार हॉकरों को सुरक्षा प्रदान किया करती थी। उनकी सुरक्षा के साथ-साथ समाचार पत्रों के निर्बाध वितरण के लिये भी।

बिहार चुनाव में विकास तय करेगा दिशा

कांतिलाल मांडोत
जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट,
वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार-स्तम्भकार

बिहार में पहले चरण के लिए 6 नवम्बर को वोट डाले जाएंगे। जैसे -जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है।वैसे-वैसे चुनावी प्रचार में भी तेजी आ रही है। सत्ताधारी भाजपा के शीर्ष नेता बिहार में पूरी ताकत झोंके हुए है। मोदी की रैली भाजपा के पक्ष में हवा तेज कर दी है।भाजपा सत्ता वापसी के लिए जबरदस्त रणनीति के साथ आक्रामक प्रचार कर रही है।केंद्र सरकार और बिहार राज्य की ढेरों जनकल्याणकारी योजनाओं पर खासा जोर दिए हुए है।भाजपा इस बात पर भी विशेष जोर दे रही है कि केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने से जनता को सीधा फायदा मिल रहा है।राज्य में तेज गति के विकास के साथ केंद्र की सरकार से समन्वय करके चलने वाली सरकार की जरूरत थी और केंद्र साथ भी दे रही है।अभी बिहार में जो चुनावी बयार बह रही है उससे यही उभर कर आ रहा है कि भाजपा फिर सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर आएगी।राजद बिहार में प्रमुख विपक्षी दल है। कांग्रेस महागठबंधन में गठबंधन में है। जनसुराज अपने बूते चुनाव लड़ रही है।जबकि यह दल नीतीश कुमार सहित सभी दलों की निंदा और आलोचना कर विरोध करके चुनाव में प्रचार पर है।कांग्रेस के किसी रास्ट्रीय स्तर के नेता ने ताल नही ठोकी है। कुछ दिन पूर्व राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बिहार में महागठबंधन के समर्थन में सभा की गई थी।कांग्रेस का प्रचार अभियान प्रियंका और राहुल के सिर पर ज्यादा दिखाई दे रहा है। शायद दिग्विजय सिहं को बिहार चुनाव प्रचार की कमान सौंपी जा सकती है।कांग्रेस का बिहार में बेहतर अवसर नही है। क्योंकि तीस वर्षों से कांग्रेस सता से बाहर है। कांग्रेस के दिग्गज नेता भी मान रहे है कि बिहार में कांग्रेस के लिए बेहतर अवसर नही हो सकता है।पूरी ताकत झोंक दी है।कांग्रेस बिहार में सतारूढ पार्टी को गैर जरुरी केंद्र का समर्थन बता कर मतदाताओ को भ्रमित कर रही है।जो पिछले कई वर्षों से जनता को करती आ रही है।बिहार में कांग्रेस का समर्थन उसे बांधे रखने में सफल होता दिखाई नही दे रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए के घोषणा पत्र जारी कर यहां की जनता को आकर्षित करने वाले कई वादे किए है।125 यूनिट मुफ्त बिजली,केजी पीजी तक की मुफ्त शिक्षा और महिलाओ को लखपति बनाने के साथ साथ एक करोड़ युवाओ को रोजगार देने का वादा किया गया है। स्थानीय स्तर पर औधोगिकरण और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक जिले में आधुनिक विनिर्माण इकाई भी स्थापित की जाएगी। स्कुलो में आधुनिक कौशल प्रयोगशालाए होगी।बिहार में गरीबो के लिए पांच प्रमुख कल्याणकारी वादे किए है।50 लाख पक्के घरों का निर्माण और सामाजिक सुरक्षा पेंशन हर एक घर को उपलब्ध की जाएगी। महिला शशक्तिकरण एनडीए के घोषणा पत्र का केंद्र बिंदु है। महिलाओ को योजना के अंतर्गत 2 लाख रुपए तक की वितीय सहायता मिलेगी।करोड़ महिलाओ को।लखपति बनाने का लक्ष्य है।महिला उधमी के लिए उधमो को आगे बढाने में सहायता के लिए मिशन करोड़पति शुरू करने की योजना की घोषणा बिहार में की है। विभिन्न ईबीसी योजनाओ के लिए सरकार दस लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। किसान सम्मान निधि में छह हजार से नौ हजार की गई है।प्रत्येक पंचायत में प्रमुख फसलों के लिए खरीद केंद्र खोले जाने की योजना बना रहे है।बिहार चुनाव में अनेक योजनाओ को लागू करने के लिए मतदाताओ को भरोसा दिलाया है।मजबूत सरकार की आज के दौर में जरूरत है।जबकि केंद्र और राज्य सरकार घुसपैठियों के लिए कार्य कर रही है। उनको खदेड़ा जाएगा।बिहार में जिस तरह से निर्वाचन आयोग का अपमान कांग्रेस ने किया है उसी तरह बिहार में राजद सुप्रीमो तेजस्वी यादव की बदजबानी बढ़ती जा रही है।तेजस्वी ने निर्वाचन आयोग के साथ बतमीज से पेश आये और कहा कि चुनाव आयोग मर गया है क्या ?सतारूढ़ पार्टी पर आरोप लगाने से पहले लालू की विरासत सम्भाल रहे तेजस्वी को अपने पिताश्री लालू के कार्यकाल को पढ़ लेना चाहिए। क्योंकि जंगलराज का तमगा बिहार से ही पैदा हुआ है झुमलेबाज बनकर जनता का भरोसा कोई नही जीत सकता है।विश्वास बनाए रखने के लिए त्याग करना पड़ता है। राजनैतिक महत्वकांशा के चलते जिस तरह तेजस्वी ने पाला बदला है। उससे यही सिद्ध होता है कि राजद सता के लिए छटपटा रही है।कई वर्षों से सत्ता से बाहर रही कांग्रेस और राजद को अब सत्ता का सुख भोगना है।लेकिन इनकी रीति नीति,जनता के साथ भेदभाव और तुष्टिकरण की नीतियां इनके राह में रोड़े अटका रही है।कांग्रेस देश की आजादी के बाद से तुष्टिकरण कर चुनाव जीत रही है। लेकिन अब वह समय लद गया है।राहुल गांधी मोदी को सत्ता से हटाने के लिए कितने षड्यंत्र कर रहे है।यह टूल का कार्य है।लेकिन मोदी अंगद की तरह अपने पांव धरकर खड़े है। इसके लिए कांग्रेस को अपनी राजनैतिक रणनीति के बारे में सोचना चाहिए।भाजपा के लिए विपक्षी दलों की चुनौती नगण्य है। क्योंकि एनडीए सत्ता में है और उनकी विकासलक्षी योजनाए सबका साथ,सबका विकास की अवधारणा पर चल रही है।

इस बार चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण कराने के लिए निर्वाचन आयोग ने कई कदम उठाए है और यह विपक्ष को नही भा रहा है। चुनाव के दौरान कोई अप्रिय घटना नही घटे उसके लिए निगरानी रखी जायेगी।गलत हथकंडों के मतदाताओं पर भी नजर रखी जा रही है। पहले चुनाव में बैलेट पेपर और मुहर से सरकारे बनती थी।विज्ञान ने प्रगति की तो चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से होने लगे। अब इसी ईवीएम से सरकार बनती है। प्रत्याशी और पार्टी समर्थक फेसबुक,ट्विटर और वाट्सएप अपने प्रचार के लिए खूब इस्तेमाल कर रहे है। राहुल औऱ प्रियंका बिहार चुनाव में अपनी ताकत झोंक रही है। किंतु यह साफ है कि कांग्रेस विचार,नीति, रणनीति और नेतृत्व के स्तर पर जिस दुर्दशा का शिकार है। उससे केवल प्रियंका के सक्रिय होने से कोई फर्क नही पड़ेगा। क्योंकि हम देखते आ रहे है। कांग्रेस देश मे जिस तरह से कमजोर हो चुकी है इसमे उसके अंदर नई जान फूंकने के लिए राजनीति का तौर तरीका बदलने की जरूरत है। कांग्रेस नेतृत्व को अपना पुराना तरीका बदलना होगा।

जीवन मंत्र

दूसरों के आँसू पोंछना, एक दुखी व्यक्ति को सांत्वना देना — यही वह क्षण हैं जब जीवन का असली मूल्य प्रकट होता है।
मित्रता भी जीवन का अमूल्य रत्न है। सच्चे दोस्त हमारे जीवन को रोशनी से भर देते हैं। मित्रता केवल साथ बिताए पलों का नाम नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सुख-दुख में साझेदारी का प्रतीक है।

जीवन का अर्थ है प्रेम और करुणा से दूसरों को संवारना

यह वाक्य मानव जीवन की सबसे सुंदर सच्चाई को प्रकट करता है — कि जीवन केवल स्वयं के सुख, सफलता या लाभ तक सीमित नहीं है। सच्चे अर्थों में जीवन तब सार्थक होता है जब उसमें दूसरों के लिए प्रेम, सहयोग और संवेदना शामिल हो। मनुष्य समाज का हिस्सा है, और उसका अस्तित्व तभी अर्थपूर्ण बनता है जब वह अपने आसपास के लोगों के जीवन में उजाला फैलाता है। जब हम दूसरों के लिए कुछ करते हैं, चाहे वह एक मुस्कान हो, एक मदद का हाथ हो या एक सांत्वना का शब्द — तब हम अपने जीवन को सच्चे अर्थों में मूल्यवान बनाते हैं।

प्रेम, दया और करुणा वे तीन आधार हैं जिन पर एक सच्चे इंसान का जीवन टिका होता है। प्रेम वह शक्ति है जो हर संबंध को मजबूती देती है। यह किसी भी दीवार को तोड़ सकता है, चाहे वह भाषा की हो, धर्म की या वर्ग की। जब मनुष्य प्रेम करना सीख जाता है, तो उसके भीतर से द्वेष, घृणा और ईर्ष्या जैसे अंधकार मिट जाते हैं। प्रेम न केवल आत्मा को शुद्ध करता है, बल्कि हमें ईश्वर के निकट भी ले जाता है, क्योंकि ईश्वर का स्वरूप ही प्रेम है।

करुणा वह भाव है जो हमें केवल

देखने या सुनने से नहीं, बल्कि महसूस करने की क्षमता देता है। करुणामय व्यक्ति कभी किसी को नीचे नहीं गिराता, बल्कि उसे ऊपर उठाने की कोशिश करता है। वह दूसरों के दर्द को महसूस करता है, और जहाँ संभव हो, सहायता के लिए आगे बढ़ता है। करुणा से भरा व्यक्ति दूसरों के जीवन में राहत, आशा और शांति का स्रोत बन जाता है। ऐसे व्यक्ति समाज को मानवता का वास्तविक अर्थ सिखाते हैं।

मित्रता जीवन का एक और अनमोल उपहार है। सच्चे मित्र वही होते हैं जो हर परिस्थिति में हमारे साथ खड़े रहते हैं, चाहे समय अच्छा हो या बुरा। मित्रता हमें सिखाती है कि जीवन केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों से नहीं, बल्कि साझा अनुभवों से बनता है। एक सच्चा मित्र हमारे भीतर की अच्छाई को पहचानता है और हमें बेहतर बनने की प्रेरणा देता है। जब हम किसी के अच्छे दोस्त बनते हैं, तो हम उनके जीवन में समर्थन और आत्मविश्वास का प्रकाश बन जाते हैं।

इन सभी गुणों — प्रेम, करुणा और मित्रता — का सार यही है कि वे हमें आत्मकेंद्रित जीवन से निकालकर सामाजिक और मानवीय जीवन की ओर ले जाते हैं। जब व्यक्ति केवल "मैं" से आगे बढ़कर "हम" के विचार को अपनाता है, तभी समाज में संतुलन और सद्भाव संभव होता है। यही वह अवस्था है जहाँ से सच्ची शांति और आनंद का उद्भव होता है। जीवन का उद्देश्य केवल जीना नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक बनाना है।

शख्सियत — जमनालाल बजाज

राष्ट्रसेवा और उद्यमशीलता के प्रतीक

जमनालाल कनीराम बजाज (4 नवंबर 1889 - 11 फरवरी 1942) एक भारतीय व्यापारी और राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने 1920 के दशक में बजाज समूह की कंपनियों की स्थापना की, और समूह में अब 24 कंपनियां हैं, जिनमें से छह शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं। वह महात्मा गांधी के करीबी और प्रिय सहयोगी भी थे, जो अक्सर यह घोषणा करने के लिए जाने जाते हैं कि जमनालाल उनके पांचवें पुत्र थे।

जमनालाल बजाज का जन्म 1889 में राजस्थान राज्य के सीकर के पास काशी का बास नामक गाँव में, कनीराम और बिरदीबाई के घर, एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। 1894 में, वर्धा के एक धनी व्यापारी, सेठ बच्छराज बजाज और उनका परिवार काशी का बास गाँव के मंदिर जा रहे थे। उन्होंने नन्हे जमनालाल को अपने घर के बाहर खेलते देखा और उनकी ओर आकर्षित हो गए। काफी समझाने-बुझाने के बाद, जमनालाल को सेठ बजाज ने अपने पोते के रूप में गोद ले लिया। बदले में, बजाज ने गाँव की मदद के लिए एक कुआँ बनवाया।

सेठ बच्छराज उनके पिता के दूर के रिश्तेदार थे और ब्रिटिश राज में एक प्रसिद्ध और सम्मानित व्यापारी थे। वयस्क होने पर, सेठ बच्छराज के संरक्षण में, जमनालाल अपने दत्तक परिवार के पारिवारिक व्यवसाय में शामिल हो गए। इस दौरान, उन्होंने एक व्यापारी होने, कठोर बहीखाता पद्धति और वस्तुओं की खरीद-बिक्री के कौशल सीखे। सेठ बच्छराज के निधन तक वे अपने काम में निपुण हो गए थे। 1926 में, जमनालाल ने बजाज उद्योग समूह की स्थापना की।

महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से लौटने पर जमनालाल बजाज ने गांधीजी की जीवन शैली, उनके सिद्धांतों जैसे अहिंसा और गरीबों के प्रति उनके समर्पण में रुचि दिखाई। वह गांधीजी के इस दृष्टिकोण को समझ सकते थे कि घर में बना सामान भारत की गरीबी का जवाब था। उन्होंने माना कि कुछ ब्रिटिश कंपनियां भारत से सस्ते, कच्चे कपास का आयात कर रही थीं और तैयार कपड़ा वापस भेज रही थीं। वह साबरमती आश्रम में गांधीजी के सादे जीवन को देखकर विनम्र थे। वह आश्रम की प्रार्थना और शारीरिक श्रम की दिनचर्या से प्रभावित थे। वह अपनी पत्नी जानकीदेवी और अपने बच्चों को आश्रम में रहने के लिए ले आए। हालांकि, इस घनिष्ठ संबंध और स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी गहरी भागीदारी ने जमनालाल बजाज को अपने नए लॉन्च किए गए व्यावसायिक उद्यम पर खर्च करने के लिए ज्यादा समय नहीं दिया।

1920 में, जमनालाल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन की स्वागत समिति के अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने ब्रिटिश सरकार द्वारा दी गई राय बहादुर की उपाधि त्याग दी और 1921 में असहयोग आंदोलन में शामिल हो गए। बाद में, 1923 में, उन्होंने नागपुर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने पर लगे प्रतिबंध का उल्लंघन करते हुए ध्वज सत्याग्रह में भाग लिया और ब्रिटिश सेना द्वारा हिरासत में ले लिए गए। इससे उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा मिली।

वह चाहते थे कि गांधी वर्धा आकर उसे अपनी गतिविधियों का केंद्र बनाएँ। अप्रैल 1930 में दांडी मार्च के बाद, गांधी वर्धा के पास एक छोटे से गाँव सेवाग्राम में रहने चले गए, क्योंकि वे ग्रामीण आबादी के करीब रहना चाहते थे। गांधी ने कसम खाई कि जब तक आज़ादी नहीं मिल जाती, वे साबरमती आश्रम नहीं लौटेंगे।

जमनालाल को गांधी सेवा संघ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जो कार्यकर्ताओं का एक ऐसा समूह था जो अपना समय रचनात्मक कार्यों के लिए समर्पित करता था। बाद में उन्हें 1933 में कांग्रेस कार्यसमिति का सदस्य और कांग्रेस का कोषाध्यक्ष चुना गया।

जमनालाल बजाज अस्पृश्यता निवारण, हिंदी के प्रचार और खादी एवं ग्रामोद्योग जैसे कार्यों में रुचि रखते थे। उन्होंने खादी के प्रचार के लिए देश भर का दौरा किया था। 1925 में, उन्हें अखिल भारतीय कताई संघ का कोषाध्यक्ष चुना गया।

जीवन ऊर्जा

रालफ मैकचियो : जन्म- 4 नवंबर 1961 — जन्म

रालफ जॉर्ज मचियो जूनियर (जन्म 4 नवंबर, 1961) एक अमेरिकी अभिनेता हैं। उन्हें चार कराटे किड फिल्मों (1984-2025) में डैनियल लारुसो की भूमिका निभाने और कोबरा काई (2018-2025), एक सीक्वल टेलीविजन श्रृंखला में अभिनय करने के लिए जाना जाता है । बाद में अपने काम के लिए , मचियो को दो क्रिटिक्स च्वाइस अवार्ड्स और एक प्राइमटाइम एमी अवार्ड के लिए नामांकित किया गया था।

डर आपको किसी सपने से ज्यादा नुकसान नहीं पहुँचा सकता

हम सबके भीतर सपने देखने की, कुछ बड़ा करने की एक इच्छा होती है। लेकिन अक्सर हमारे कदमों को रोकने वाला सबसे बड़ा कारण "डर" होता है — असफल होने का डर, लोगों के ताने सुनने का डर, या अपने ही सपनों को पूरा न कर पाने का डर। सच तो यह है कि डर एक ऐसा बंधन है जो हमें वहीं रोक देता है जहाँ से हमारी सफलता की यात्रा शुरू हो सकती थी। यदि हम डर को जीतना सीख लें, तो हमारे लिए कोई मंज़िल असंभव नहीं रहती।

डर की एक विचित्र प्रकृति होती है — वह वास्तविकता से ज़्यादा हमारे मन में बसता है। कई बार हम किसी काम को करने से पहले ही हार मान लेते हैं, क्योंकि हम उसके परिणाम से डरते हैं। लेकिन सोचिए, अगर कोई बच्चा चलना सीखने से पहले गिरने से डर जाए, तो

क्या वह कभी चल पाएगा? उसी तरह जीवन में भी अगर हम असफलता के डर से आगे कदम नहीं बढ़ाएँगे, तो सफलता कभी हमारी ओर नहीं आएगी। डर हमेशा हमें रुकने के लिए कहता है, जबकि सपना हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। जो लोग डर पर विजय पा लेते हैं, वही इतिहास में अपनी पहचान बनाते हैं। चाहे वह महात्मा गांधी हों, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम या फिर किसी आम व्यक्ति की कहानी — हर सफलता के पीछे एक ऐसा पल ज़रूर रहा है जब उन्हें डर को नज़रअंदाज़ करना पड़ा। उन्होंने जोखिम उठाया, कठिनाइयाँ झेलीं, लेकिन अपने सपनों पर भरोसा रखा। यही भरोसा डर से बड़ी ताकत है। डर हमें सीमित करता है, जबकि सपना हमें असीम संभावनाओं की ओर ले जाता है।

डर से निपटने का सबसे अच्छा तरीका है — उसका सामना करना। जब हम किसी डर का सामना करते हैं, तो हमें एहसास होता है कि वह उतना बड़ा नहीं था जितना हमने सोचा था। यह आत्मविश्वास हमें और मजबूत बनाता है। हर बार जब हम अपने डर को पीछे छोड़ते हैं, हम अपने अंदर के एक नए साहस को जगाते हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

भागवत कथा सुनने से जीवन में आध्यात्मिक जागरण होता है

यह वाक्य केवल एक धार्मिक विचार नहीं, बल्कि गहरे जीवन दर्शन का प्रतीक है। मनुष्य का जीवन केवल भौतिक सुख-सुविधाओं तक सीमित नहीं होता; उसके भीतर एक आत्मा होती है जो सच्चे ज्ञान, शांति और उद्देश्य की खोज में रहती है। जब व्यक्ति भागवत कथा सुनता है, तो वह केवल एक कहानी नहीं सुन रहा होता, बल्कि अपने भीतर की उस आत्मा को स्पर्श कर रहा होता है जो ईश्वर से जुड़ना चाहती है।

भागवत कथा में केवल भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएँ ही नहीं, बल्कि जीवन के हर पहलू का गहन संदेश छिपा होता है। इसमें बताया गया है कि भक्ति, प्रेम, करुणा और सत्य ही जीवन का वास्तविक मार्ग हैं। जब कोई व्यक्ति कथा को मन लगाकर सुनता है, तो उसके विचारों में परिवर्तन आता है। वह समझने लगता है कि जीवन का उद्देश्य केवल धन या प्रसिद्धि अर्जित करना नहीं, बल्कि अपने कर्मों से आत्मा को शुद्ध करना है। यही समझ "आध्यात्मिक जागरण" कहलाती है।

कथा के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर के दोषों को पहचानना सीखता है — अहंकार, क्रोध, लोभ, ईर्ष्या जैसे भाव जो आत्मा को दूषित करते हैं। कथा सुनते-सुनते जब व्यक्ति इन नकारात्मक भावनाओं को त्यागने का प्रयास करता है, तो उसके भीतर एक नया प्रकाश फैलने लगता है। यह प्रकाश उसे यह एहसास दिलाता है कि सच्ची शांति बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि आत्म-ज्ञान में है।

भागवत कथा व्यक्ति के मन में भक्ति की भावना को प्रबल करती है। जब मनुष्य ईश्वर के प्रति प्रेम और समर्पण महसूस करता है, तो उसका मन हल्का हो जाता है। वह अपने दुख, भय और चिंता से ऊपर उठने लगता

है। यह भक्ति ही आत्मिक शक्ति का स्रोत बनती है, जो कठिन परिस्थितियों में भी उसे संतुलित रखती है। यही वह क्षण होता है जब मनुष्य के भीतर आध्यात्मिक चेतना का उदय होता है।

कथा सुनने का एक और लाभ यह है कि यह व्यक्ति को जीवन का दृष्टिकोण बदलने में मदद करती है। पहले जो बातें उसे बड़ी लगती थीं, वे अब क्षणिक प्रतीत होती हैं। वह समझने लगता है कि हर परिस्थिति अस्थायी है और केवल आत्मा ही शाश्वत है। इस दृष्टिकोण से व्यक्ति का मन स्थिर हो जाता है और वह दूसरों के प्रति सहनशील और दयालु बनता है।

भागवत कथा केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि आत्म-विकास की एक प्रक्रिया है। यह व्यक्ति को अपने भीतर झाँकने और अपनी सच्ची पहचान को समझने की प्रेरणा देती है। जब यह समझ दृढ़ हो जाती है कि "मैं शरीर नहीं, आत्मा हूँ," तब जीवन के सभी भय और मोह स्वतः समाप्त हो जाते हैं।

अंततः, भागवत कथा आत्मा को ईश्वर से जोड़ने का सेतु है। इसके श्रवण से व्यक्ति अपने भीतर के अंधकार को दूर कर प्रकाश की ओर बढ़ता है। यही प्रकाश उसका मार्गदर्शक बन जाता है — जो उसे सही दिशा, सच्चा ज्ञान और शांति प्रदान करता है। इसलिए कहा गया है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो। नं। 9425980556

अपने विचार

आज पूरे देश की बेटियों को को महिला क्रिकेट विश्वकप की विजय की बधाई देता हूं। कल मुंबई में भारत की बेटियों ने इतिहास बना दिया। पहली बार भारत ने महिला क्रिकेट विश्व कप जीता है। 25 साल बाद दुनिया को नया विश्वविजेता मिला है। यह गौरव भारत की बेटियों ने पूरे देश को दिया है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

गांधी जी के तीन बंदर गांधी जी के उपदेश पर काम करते थे। आज इंडिया गठबंधन में भी तीन बंदर आ गए हैं। पप्पू, टप्पू और अप्पू के नाम पर पाए जा रहे हैं। पप्पू सच और अच्छा बोल नहीं सकता, टप्पू सच देख नहीं सकता और अप्पू सच सुन नहीं सकता। इन्हें एनडीए सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्य दिखाई नहीं देते ।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम,उत्तरप्रदेश

हिंदी थोपने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। हिंदी और संस्कृत के विकास के लिए अनुदान दिया जा रहा है, जबकि देश की अन्य भाषाओं की उपेक्षा की जा रही है। राज्य के साथ अन्याय किया जा रहा है।

-सिद्धारमैया, सी एम,कर्नाटक

'शिवसेना हमेशा बालासाहेब ठाकरे की पार्टी जानी जाती थी, फिर उद्धव ठाकरे की पार्टी कहलाने लगी। शायद भविष्य में आदित्य ठाकरे की पार्टी के रूप में जानी जाएगी। यही बात NCP के लिए भी सच है, जिसे हमेशा शरद पवार की पार्टी के रूप में जाना जाता रहा है। दूसरी ओर भाजपा हमेशा अपने कार्यकर्ताओं की पार्टी के रूप में जानी जाती है।

-चंद्रकांत पाटिल ,मंत्री,महाराष्ट्र

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

कार्तिकी एकादशी मेले के लिए आदिलाबाद–पंढरपुर स्पेशल ट्रेनों में 9 अतिरिक्त कोच

मुंबई। रेलवे ने कार्तिकी एकादशी मेले 2025 के दौरान यात्रियों की भीड़ को देखते हुए आदिलाबाद–पंढरपुर स्पेशल ट्रेनों में 9 अतिरिक्त कोच जोड़ने का निर्णय लिया है। इसके तहत 2 स्लीपर क्लास और 7 जनरल सेकंड क्लास कोच जोड़े जाएंगे। यह परिवर्तन ट्रेन नंबर 07613 आदिलाबाद–पंढरपुर स्पेशल (JCO 04.11.2025) और ट्रेन नंबर 07614 पंढरपुर–आदिलाबाद स्पेशल (JCO 05.11.2025) पर लागू होगा। संशोधित बनावट के अनुसार इन ट्रेनों में अब 1 AC-III टियर, 4 स्लीपर क्लास, 13 जनरल सेकंड क्लास और 2 लगेज-कम गार्ड ब्रेक वैन शामिल होंगे, यानी कुल 20 कोचों की रचना रहेगी।

ठाणे नगर अभियंता संघ के पदाधिकारियों ने ठाणे मनपा आयुक्त से मुलाकात की

ठाणे। शहर के तेज़ी से विकास और महानगरपालिका (मनपा) के बढ़ते क्षेत्रफल को देखते हुए, मनपा के विभिन्न विभागों में कार्यरत इंजीनियरों की समस्याओं के समाधान के लिए 'ठाणे नगर अभियंता संघ' की स्थापना की गई है। यह संघ मनपा के एकमात्र मान्यता प्राप्त श्रमिक संगठन, मनपा श्रमिक संघ से संबद्ध है और प्रशासन तथा कर्मचारियों के बीच सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण संबंध बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करेगा। संघ इंजीनियरों की सातवें वेतन आयोग, भर्ती प्रक्रिया, वेतन वृद्धि और अन्य लंबित मुद्दों पर समाधान के लिए सक्रिय रहेगा। इस संबंध में संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मनपा आयुक्त सौरभ राव को एक वक्तव्य सौंपा और विस्तृत चर्चा की। आयुक्त राव ने ठाणे नगर अभियंता संघ की पहल की प्रशंसा करते हुए सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष चेतन अंबोनकर, कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद निंबालकर, उपाध्यक्ष रामदास शिंदे, महासचिव स्वप्निल काशिद, कोषाध्यक्ष राजेश सावंत, उपाध्यक्ष किशोर गोले, तथा अन्य पदाधिकारी — महेश बोराडे, जन्मजय मायेकर, रामकृष्ण देसले, सैयद दावलशाह, सचिव विजय खानविलकर, जमनाताई जाधव और गणेश भालेकर — बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महिलाओं के खाते में आज आएंगे 1500 रुपए

मुंबई। महाराष्ट्र की महिलाओं का इंतजार आखिर खत्म हो गया है। लाडकी बहिण योजना की अक्टूबर की जिस किस्त का उन्हें बेसब्री से इंतजार था, उसकी तारीख का ऐलान हो गया है। महाराष्ट्र की मंत्री अदिति एस तटकरे ने सोमवार को घोषणा करते हुए कहा कि कल 04 नवंबर से महिलाओं के खाते में 1500-1500 रुपए आने शुरू हो जाएंगे। लाडकी बहिण योजना में बड़ी संख्या में फ्रॉड पाए जाने के बाद सरकार ने ई-केवाईसी की प्रक्रिया को अनिवार्य कर दिया था। महाराष्ट्र की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति एस. तटकरे ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजना की सभी पात्र लाभार्थियों के खाते में अक्टूबर महीने की किस्त कल 04 नवंबर को भेजी जाएगी। यह पैसा उन सभी पात्र लाभार्थियों के खाते में आएगा, जिनका बैंक खाता आधार से लिंक है। इसके साथ ही मंत्री अदिति तटकरे ने यह भी कहा है कि महाराष्ट्र में इस योजना का लाभ सभी पात्र माताओं और बहनों को मिलता रहे, इसके लिए ई-केवाईसी सुविधा को पोर्टल पर एक्टिव किया गया है। यह प्रक्रिया पिछले महीने से शुरू की गई है।

कार्तिकी एकादशी मेला के लिए सोलापुर मंडल की व्यापक तैयारियां

डीबीडी संवाददाता | सोलापुर

कार्तिकी एकादशी मेला 2025 के पावन अवसर पर पंढरपुर पहुंचने वाले हजारों श्रद्धालुओं की सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सोलापुर मंडल, मध्य रेल ने व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। मंडल की सूक्ष्म योजना और समर्पित कार्यान्वयन रेलवे की यात्रियों के प्रति सेवा भावना, संवेदनशीलता और कुशल प्रबंधन का परिचायक है।

विशेष रेल सेवाएं एवं यात्री सूचना प्रणाली

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए नियमित ट्रेनों के अलावा विशेष रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं। पंढरपुर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म और फुटओवर ब्रिज पर बड़े मल्टीलाइन ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, ट्रेन इंडिकेटर बोर्ड एवं कोच इंडिकेटर बोर्ड लगाए गए हैं। साथ ही यात्रियों को मार्गदर्शन के लिए नियमित सार्वजनिक घोषणाएं की जा रही हैं ताकि उन्हें ट्रेन की स्थिति एवं प्लेटफॉर्म की जानकारी समय पर मिल सके।

मौसम से सुरक्षा और यात्री सुविधा

श्रद्धालुओं को वर्षा से बचाने और विश्राम के लिए सोलापुर मंडल द्वारा बड़े जलरोधक होल्डिंग क्षेत्र बनाए गए हैं। विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था की गई है। साथ ही नामित स्टालों पर अल्पाहार और जलपान की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

यात्री सहायता एवं टिकटिंग सुविधाएं

टिकट बुकिंग क्षेत्र, होल्डिंग जोन और प्लेटफॉर्म पर "May I Help You" काउंटर स्थापित किए गए हैं। यात्रियों को मोबाइल यूटीएस (m-UTS) एप के माध्यम से टिकट बुकिंग की जानकारी दी जा रही है। श्रद्धालुओं की वापसी यात्रा सुचारू रूप से संपन्न हो, इसके लिए 10 अतिरिक्त बुकिंग काउंटर संचालित किए गए हैं।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाएं

मंडलीय रेलवे अस्पताल, सोलापुर द्वारा पंढरपुर स्टेशन पर 24×7 चिकित्सा सुविधा स्थापित की गई है। यहां डॉक्टर, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, फार्मासिस्ट और एम्बुलेंस सेवाएं तैनात की गई हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को तुरंत प्राथमिक चिकित्सा और सहायता मिल सके।

कर्मचारी तैनाती एवं समन्वय व्यवस्था

पंढरपुर और कुर्डुवाडी स्टेशनों पर अतिरिक्त बुकिंग क्लर्क, टिकट जांच कर्मचारी और वाणिज्य निरीक्षक तैनात किए गए हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी सूची स्पष्ट रूप से निर्धारित की गई है। सोलापुर मंडल के सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर यात्रियों को निर्बाध सेवा प्रदान करने की व्यवस्था की गई है।

मुंबई, ठाणे और पुणे की मेट्रो परियोजनाएं तय समय में पूरी हों: मुख्यमंत्री फडणवीस

मुंबई मेट्रो लाइन-2B और लाइन-6 के काम को तेज करने के निर्देश

दीपक पवार | मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) को निर्देश दिया है कि मुंबई मेट्रो लाइन-2B (डीएन नगर से डायमंड गार्डन-मंडाले मार्ग) परियोजना का काम 31 मार्च 2027 तक पूरा किया जाए। इस मार्ग पर कुल 19 स्टेशन होंगे। इसी तरह, मेट्रो लाइन-6 (स्वामी समर्थनगर से विक्रोली) मार्ग का कार्य 31 दिसंबर 2026 तक पूरा करने के आदेश दिए गए हैं। फडणवीस ने नगर विकास विभाग को निर्देश दिया कि श्याम नगर स्टेशन से संबंधित भूमि विवाद का निराकरण 15 दिनों में किया जाए। मुख्यमंत्री ने सोमवार को राज्य अतिथिगृह सह्याद्री में मुंबई उपनगर, ठाणे और पुणे जिले में चल रही प्रमुख आधारभूत संरचना परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में वरिष्ठ अधिकारी और संबंधित परियोजनाओं के ठेकेदार उपस्थित थे।

अन्य परियोजनाओं को भी तय समयसीमा में पूरा करने के निर्देश

फडणवीस ने कहा कि मुंबई-पुणे मिसिंग लिंक का काम जल्द ही पूरा हो जाएगा। वहीं शिवडी-वरली कनेक्टर परियोजना को दिन-रात काम करके शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने ठाणे-बोरिवली दोहरे भूमिगत मार्ग, उत्तन-विरार सी लिंक, और ऑरेंज गेट से मरीन ट्विन टनल परियोजनाओं को भी तय समय पर पूरा करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने एमएमआरडीए को ऐरोली-कटई नाका फ्रीवे परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की राशि तुरंत उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य में चल रही सभी विकास परियोजनाओं को अगले दो से ढाई वर्षों में पूर्ण करने की योजना बनाई जाए। फडणवीस ने यह भी कहा कि मुंबई महानगरपालिका के माध्यम से शुरू मागाठाणे–गोरेगांव डी.पी. रोड परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण और परियोजना प्रभावितों के पुनर्वास का कार्य तत्काल पूरा किया जाए।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने इसकी जानकारी दी।

बांद्रा टर्मिनस-जयपुर स्पेशल

ट्रेन संख्या 09730 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर स्पेशल बुधवार, 05 नवंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 09:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06:45 बजे जयपुर पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09729 जयपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल मंगलवार, 04 नवंबर, 2025 को जयपुर से 08:10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:55 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, मांडल, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर और किशनगढ़ स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच हैं।

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जागरूकता अभियान में पश्चिम रेलवे की सहभागिता

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुरूप पश्चिम रेलवे राष्ट्रव्यापी डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (DLC) अभियान 4.0 में सक्रिय रूप से भाग ले रही है। यह अभियान पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा 1 नवंबर से 30 नवंबर, 2025 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य देशभर के पेंशनभोगियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना है।

शिविर, सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित होंगी

नवंबर माह के दौरान पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में रेलवे कार्यालयों, बैंकों, अस्पतालों समेत विभिन्न स्थानों पर शिविर, सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँगी। इन गतिविधियों का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और पेंशनभोगियों को डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाने की प्रक्रिया में सहायता प्रदान करना है। यह अभियान पेंशन भुगतान करने वाले बैंकों, पेंशनर्स एसोसिएशन और ट्रेड यूनियनों के सहयोग से चलाया जा रहा है। इन संस्थाओं की मदद से पेंशनभोगियों को आवश्यक मार्गदर्शन मिलेगा ताकि वे समय पर अपना प्रमाणपत्र जमा कर पेंशन लाभ प्राप्त कर सकें।

अब तक जारी 4.5 करोड़ डिजिटल प्रमाणपत्र

पिछले तीन वर्षों में राज्य और केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा 4.5 करोड़ से अधिक डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जारी किए जा चुके हैं। रेलवे देश के सबसे बड़े पेंशनभोगी समूहों में से एक है, और पश्चिम रेलवे इस अभियान के माध्यम से सभी रेलवे और पारिवारिक पेंशनभोगियों तक पहुंचने के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चला रही है।

पेंशनभोगियों से डिजिटल सुविधा का लाभ उठाने की अपील

पश्चिम रेलवे ने सभी पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों से इस सुविधाजनक डिजिटल सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है। वे पश्चिम रेलवे द्वारा आयोजित सेमिनारों और कार्यशालाओं में भाग ले सकते हैं, अथवा निकटतम रेलवे लेखा कार्यालय से संपर्क कर डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट प्रक्रिया से संबंधित मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

अभियान का उद्देश्य और डिजिटल सशक्तिकरण

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि इस पहल का मकसद डिजिटल साक्षरता के माध्यम से पेंशनभोगियों को सक्षम बनाना है। एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध 'लाइफ सर्टिफिकेट' मोबाइल एप्लिकेशन की सहायता से पेंशनभोगी अब अपना प्रमाणपत्र घर बैठे डिजिटल रूप से जमा कर सकेंगे।

भिवंडी-वाडा महामार्ग कार्य में जनता की नियंत्रण समिति गठित करने की मांग

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी-वाडा महामार्ग की मरम्मत के काम में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जनता की निगरानी समिति (जनता नियंत्रण समिति) गठित की जानी चाहिए — इस मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद पवार ने आज मंत्रालय में सार्वजनिक निर्माण मंत्री शिवेंद्रसिंह राजे भोसले से मुलाकात की।

मंत्री ने दी आश्वासन, जल्द होगी विभागीय बैठक

मंत्री शिवेंद्रसिंह राजे भोसले ने प्रमोद पवार की सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर संबंधित विभागों और जन आंदोलन समिति के सदस्यों के साथ एक आधिकारिक बैठक जल्द बुलाई जाएगी। इस कदम से उम्मीद है कि भिवंडी-वाडा महामार्ग के दुरुस्ती कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जनता की भागीदारी सुनिश्चित होगी।

नागरिकों, अधिकारियों और पुलिस की संयुक्त समिति की सिफारिश

बैठक में यह प्रस्ताव रखा गया कि महामार्ग के कार्य की निगरानी के लिए एक संयुक्त नियंत्रण समिति बनाई जाए, जिसमें नागरिकों के प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, इंजीनियर और पुलिस विभाग — सभी का समान प्रतिनिधित्व हो। इस समिति का उद्देश्य मरम्मत कार्य की निगरानी कर जनता के हितों की रक्षा करना रहेगा। प्रमोद पवार ने कहा कि यह महामार्ग भ्रष्ट अधिकारियों, ठेकेदारों और कमीशनखोरों का अड्डा बन गया है, जिसके कारण आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अगर जनता को सीधे तौर पर नियंत्रण का अधिकार दिया गया, तो भ्रष्टाचार पर प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी।

बिरसा मुंडा चौक का परिवहन आयुक्त ने किया निरीक्षण

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

शहर में बढ़ते यातायात, हॉर्न की शोरगुल और प्रदूषण से नागरिकों का जीवन दिन-ब-दिन कठिन होता जा रहा है। हमेशा से जाम और अव्यवस्था के लिए कुख्यात बिरसा मुंडा चौक अब प्रशासन के विशेष ध्यान में आया है। नागरिकों की लगातार शिकायतों के बाद, महाराष्ट्र राज्य परिवहन आयुक्त विवेक भीमनवार रविवार को स्वयं ठाणे पहुंचे और मौके पर स्थिति का जायजा लिया।

विभागीय समन्वय से सुधार के निर्देश

निरीक्षण के दौरान आयुक्त भीमनवार ने ठाणे मनपा, नगर परिवहन शाखा और क्षेत्रीय परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक उपायों पर चर्चा की। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने और तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

सड़क प्रबंधन और सुरक्षा पर चर्चा

अधिकारियों ने बैठक में सड़क प्रबंधन, पैदल यात्रियों की सुरक्षा और अस्पताल एवं उपवन झील से आने वाले यातायात की दिशा में व्यावहारिक समाधान तलाशने पर जोर दिया। चौक पर दिनभर भारी ट्रैफिक की वजह से एम्बुलेंस, स्कूल बसें और आम वाहन अक्सर जाम में फँस जाते हैं, जिससे नागरिकों को भारी परेशानी होती है। बिरसा मुंडा चौक से जुड़े अस्पताल–उपवन तालाब मार्ग, वर्तकनगर, कोटी और मीडोज इलाकों से आने वाला भारी वाहन प्रवाह प्रतिदिन जाम की स्थिति पैदा करता है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारी उपस्थित

इस निरीक्षण के अवसर पर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी हेमांगी पाटिल, उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रोहित काटकर, ठाणे मनपा अभियंता शैलेश चारी, कनिष्ठ अभियंता भीमराज गव्हाने, तथा क्षेत्रीय परिवहन विभाग के अधिकारी गणेश पाटिल और रमेश पाटिल उपस्थित थे। सभी ने यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए समन्वित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान की प्रगति होगी। व्यापार-व्यवसाय में प्रगतिकारक वातावरण का सृजन होगा। पारिवारिक स्थिति आनंददायक रहेगी। मन प्रफुल्लित रहेगा।

वृष विवाद व जल्दबाजी से बचें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। अधूरे काम समय से पूरे होने के योग हैं। नए कार्यों से लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे। धन का संग्रह होगा।

मिथुन तीर्थयात्रा हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए दिन अच्छा होने की संभावना है। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। परिवार में मेल-मिलाप बढ़ेगा।

कर्क संतान पक्ष की चिंता रहेगी। चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। खर्च का बोझ बढ़ेगा। किसी पर अत्यधिक भरोसा न करें। व्यापार, नौकरी में अड़चनें आने से मनोबल में कमी आ सकती है।

सिंह प्रेम में सफलता मिलेगी। प्रयास सफल रहेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। मान-सम्मान मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सुख एवं पत्नी के सहयोग से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। किसी से बहस न करें।

कन्या लेनदारी वसूल होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विशेष लाभ का योग है। आर्थिक उन्नति होगी। सामाजिक उत्तरदायित्व की पूर्ति करेंगे। ईश्वर के प्रति श्रद्धा बढ़ेगी।

तुला प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। बाहर सहायता से काम होंगे। प्रसन्नता रहेगी। संतान के संबंध में संतोष रहेगा। व्यावसायिक अथवा आजीविका संबंधी समस्या का समाधान हो सकेगा। पुरुषार्थ का पूर्ण फल मिलेगा। थकान रहेगी। शत्रु भय रहेगा।

वृश्चिक यात्रा में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। दुःखद समाचार मिल सकता है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर संयम रखें। विरोधियों से सावधान रहें। परिवार की परेशानी का हल संभव है। भागीदारी के कामों में सफलता मिलेगी।

धनु अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। आत्मसम्मान बना रहेगा। सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे। पारिवारिक सुख-शांति बरकरार रहेगी। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। यात्रा होगी।

मकर कुसंगति से बचें। फालतू खर्च होंगे। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। संतान की गतिविधियों पर नजर रखना होगी। कामकाज का बोझ बढ़ने से व्यापार पर विपरीत असर हो सकता है। वाद-विवाद से दूर रहें।

कुंभ घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। माता के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना आवश्यक। पुराने रुके कामों, लेनदेन में सफलता की संभावना है। रोमांस में सफलता मिलेगी।

मीन अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम उठाएं। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। सोच-समझकर कार्य करना लाभप्रद रहेगा। पुरुषार्थ सफल होगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखना चाहिए। व्यापार में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे।

घर निर्माण के अचूक उपाय और टोटके: भूमि से लेकर गृहप्रवेश तक के अद्भुत रहस्य, जो बदल सकते हैं भाग्य

प्रियंका जैन
9769994439

यह क्रिया ग्रहदोषों को शांत करती है और भूमि पर देवशक्ति का आशीर्वाद पुनः स्थापित करती है। यदि किसी कारणवश निर्माण कार्य में लगातार रुकावटें आ रही हों, तो प्रत्येक मंगलवार श्वेत गाय और उसके बछड़े को मसूर की दाल और गुड़ खिलाना चाहिए। यह उपाय मंगल ग्रह को प्रसन्न करता है, जो निर्माण, ऊर्जा और गति का प्रतीक है। साथ ही भगवान गणेश को 21 दिनों तक लाल फूल अर्पित करें और ₹ॐ गं गणपतये नमः₹ का जप करें। गणपति विघ्नहर्ता हैं, उनके आशीर्वाद से सभी प्रकार की बाधाएँ समाप्त होती हैं।

निर्माण स्थल की नकारात्मक ऊर्जा को शुद्ध करने के लिए एक और रहस्यमय उपाय है — एक मिट्टी का मटका लें, उसमें दूध, दही, घी, शक्कर, मिश्री, कपूर और शहद डालें, फिर "दुर्गा नवार्ण मंत्र" का जप करते हुए उसे किसी नदी या तालाब के किनारे जमीन में गाड़ दें। इस विधि से भूमि के अधिष्ठात्री देवता प्रसन्न होते हैं और वहां की ऊर्जा दिव्य हो जाती है। यह उपाय उन जगहों पर विशेष प्रभावी माना गया है जहां पहले कोई पुराना ढांचा टूटा हो या जहां दुर्घटनाएँ हुई हों। भवन निर्माण को बीच में रोक देना अशुभ माना गया है। ऐसा करने से राहु का प्रभाव बढ़ता है और व्यक्ति पर आर्थिक बोझ आने लगता है। इसलिए निर्माण कार्य को एक बार शुरू करने के बाद उसे यथाशीघ्र पूरा करने का प्रयास करें। अगर खुदाई के दौरान भूमि में चींटियाँ दिखाई दें, तो उन्हें आटा और शक्कर खिलाना चाहिए — यह संकेत होता है कि भूमि में जीवन है और यह स्थान शुभ है। पुरानी ईंट, लकड़ी या पत्थर का प्रयोग नहीं करना चाहिए क्योंकि वे पुराने घरों की ऊर्जा अपने साथ लाते हैं, जिससे नए घर में अस्थिरता और मानसिक अशांति बढ़ सकती है। मकान निर्माण में कार्य करने वाले राजगीरों और मजदूरों का सम्मान करना चाहिए। यह केवल मानवीय व्यवहार नहीं बल्कि कर्मफल से जुड़ा नियम है। जो व्यक्ति निर्माण करने वालों का आदर करता है, उसके घर में "शिल्पदेवता" का आशीर्वाद बसता है। अगर कुंडली में शनि, राहु या केतु की स्थिति प्रतिकूल हो, तो उनके लिए संबंधित दान करें। शनि के लिए काला तिल, लोहा या तेल दान देना शुभ होता है। केतु के लिए मूंगा, वस्त्र या कंबल दान करने से राहत मिलती है।

जब भवन का नक्शा तैयार किया जाए, तो दिशाओं की स्पष्ट पहचान करें। रसोईघर हमेशा आग्नेय कोण यानी दक्षिण-पूर्व दिशा में होना चाहिए, पूजा कक्ष ईशान कोण में, शयनकक्ष नैऋत्य में और जल संचयन उत्तर दिशा में रखना चाहिए। इन दिशाओं का पालन पंचमहाभूतों — पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश — के संतुलन को बनाए रखता है, जिससे घर में स्वास्थ्य, शांति और समृद्धि बनी रहती है। भवन निर्माण के ये उपाय केवल परंपरागत मान्यताएँ नहीं हैं, बल्कि इन्हें अनगिनत लोगों ने अनुभव किया है। जब भूमि पूजन के समय सही मंत्र, सही दिशा और सही संकल्प जुड़ते हैं, तब वह भूमि केवल एक प्लॉट नहीं रहती, बल्कि एक जीवंत शक्ति में परिवर्तित हो जाती है।

न्यूज़ ब्रीफ

इंग्लैंड से मदरसा चला रहा था मौलाना, एफआईआर दर्ज

संतकबीर नगर। संतकबीर नगर में इंग्लैंड की नागरिकता लेने के बावजूद उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद से वेतन लेने और विदेशी फंडिंग के दुरुपयोग के आरोप में एक ब्रिटिश मौलाना के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी की तहरीर पर दर्ज रिपोर्ट में कहा गया है कि मौलाना शमसुल हुदा खान ने विदेशों में फंड एकत्र कर खलीलाबाद स्थित कुलियतुल बनातीर रजबिया एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी और रजा फाउंडेशन के माध्यम से मदरसा निर्माण कराया। जांच में यह भी सामने आया है कि मौलाना विदेशों से फंड जुटाने के साथ उसमें कमीशन भी लेता था और भारत में इस्लामीकरण की गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा था। जिले के कोतवाली प्रभारी पंकज पांडेय ने बताया कि आरोप गंभीर हैं, इसलिए संबंधित मदरसों और एनजीओ की मान्यता रद्द करते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

यूके की पहली एयर एंबुलेंस सेवा छह माह में ठप

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के दुर्गम इलाकों में मरीजों के लिए जीवनरेखा बनी देश की पहली हेली (एयर) एंबुलेंस सेवा अब ठप हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्ष 30 अक्टूबर को एम्स ऋषिकेश से 'संजीवनी योजना' के तहत इस सेवा की शुरुआत की थी, लेकिन मात्र छह महीने में ही यह योजना ठहर गई। इस सेवा के माध्यम से राज्य के सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों से गंभीर रूप से घायल या बीमार मरीजों को मुफ्त में एम्स ऋषिकेश लाने की सुविधा थी। कई मामलों में यह सेवा जच्चा-बच्चा की जान बचाने में भी सफल रही थी। जानकारी के अनुसार, मई 2025 में हुई एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना के बाद से सेवा बाधित है। केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से शुरू की गई यह योजना पहाड़ी जनपदों के लिए वरदान साबित हो रही थी। इसे आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने की भी योजना थी, लेकिन संचालन रुकने से लोगों को गहरा झटका लगा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी उत्तरकाशी डॉ. बी.एस. रावत ने बताया कि वर्तमान में आपातकालीन स्थितियों में आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से यूकेडा (UKEDA) के हेलीकॉप्टर से मरीजों का रेस्क्यू किया जा रहा है। हालांकि 'संजीवनी योजना' जैसी नियमित और तत्पर एयर एंबुलेंस सुविधा की कमी अब प्रदेश के दूरस्थ मरीजों को फिर महसूस हो रही है।

निवेश के नाम पर LIC एजेंट से 1.35 करोड़ की ठगी

बरेली। ऊंचे ब्याज का लालच एक एलआईसी एजेंट को भारी पड़ गया। एजेंट ने न केवल अपनी जमा-पूंजी बल्कि ग्राहकों की करोड़ों की रकम एक फाइनेंस कंपनी में निवेश कर दी। कुछ महीनों तक ब्याज मिला, लेकिन जल्द ही कंपनी ने भुगतान बंद कर दिया और अब पूरा मूलधन भी फंस गया है। थाना बारादरी क्षेत्र के महावीर इंक्लेव फेस-2 निवासी मीरा गुप्ता, जो एलआईसी एजेंट हैं, ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मॉडल टाउन निवासी कन्हैया गुलाटी, हरेंद्र पटेल और जगतपाल सिंह ने ऊंचे ब्याज का लालच देकर उनसे करीब 1.35 करोड़ रुपये निवेश करा लिए। शुरुआत में पांच फीसदी मासिक ब्याज का भुगतान किया गया, जिससे भरोसा बढ़ा। थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

WTM 2025: कन्नौज के इत्र से गमकेगा लंदन

विश्व मंच पर प्रदर्शित होंगी यूपी की पर्यटन धरोहरें

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश की संस्कृति और सुगंध अब लंदन में महकने वाली है। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में आगामी 4 से 6 नवंबर 2025 तक आयोजित होने जा रहे वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट (WTM) 2025 में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह आयोजन विश्व पर्यटन जगत का सबसे बड़ा मंच है, जहां उत्तर प्रदेश अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय पटल पर प्रस्तुत करेगा। मंत्री ने बताया कि "वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट एक तीन दिवसीय वैश्विक आयोजन है, जो बी2बी मीटिंग्स, साझेदारी के अवसरों और समावेशी पर्यटन पर केंद्रित रहेगा। इस मंच के माध्यम से उत्तर प्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने का अवसर मिलेगा।"

यूपी का आकर्षण बनेगा 'स्पिरिचुअल ट्रायंगल'

लंदन में लगने वाले यूपी पर्यटन के स्टॉल पर कन्नौज का इत्र, स्पिरिचुअल ट्रायंगल (प्रयागराज-अयोध्या-काशी), ताजमहल, बौद्ध सर्किट और अयोध्या श्रीराम मंदिर जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों का भव्य प्रदर्शन किया जाएगा।

वैश्विक मंच पर दिखेगी बुद्ध की भूमि

प्रदेश में भगवान बुद्ध से जुड़े छह प्रमुख स्थल — सारनाथ, कुशीनगर, संकिसा, कपिलवस्तु, कौशांबी और श्रावस्ती — 'बोधि यात्रा' सर्किट के रूप में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इन गंतव्यों को भी डब्ल्यूटीएम में विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा।

काशी, मथुरा और अयोध्या की भी दिखेगी झलक

यूपी पर्यटन स्टॉल पर अयोध्या के श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर, और मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों की भी झलक देखने को मिलेगी। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि उत्तर प्रदेश को आध्यात्मिकता, संस्कृति, विरासत और नवाचार का संगम बनाकर विश्व पर्यटन के नक्शे पर अग्रणी स्थान दिलाया जाए।

बिहार से युवाओं का नहीं भाजपा का होगा पलायनः अखिलेश यादव

एजेंसी | पूर्वी चंपारण

बिहार विधानसभा चुनाव के माहौल में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को पूर्वी चंपारण जिले के कोटवा में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि अब बिहार से युवाओं का नहीं, भाजपा का पलायन होगा। अखिलेश यादव राजद प्रत्याशी मनोज यादव के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता परिवर्तन के मूड में है और इस बार तेजस्वी यादव की सरकार बनना तय है। सभा स्थल शिवधर अनूठा उच्च विद्यालय के मैदान में उमड़ी भारी भीड़ की ओर इशारा करते हुए अखिलेश ने कहा, यह जनसैलाब बता रहा है कि बिहार में अब नौकरी देने वाली सरकार बनने जा रही है, न कि जुमलों की। पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन आज किसान और गरीब पहले से ज्यादा परेशान हैं। उन्होंने कहा कि 11 साल में न पैदावार बढ़ी, न किसानों की तरक्की हुई, उल्टा महंगाई और बेरोजगारी आसमान छू रही है। अखिलेश ने विदेश नीति पर भी केंद्र सरकार को घेरा। बोले, "अमेरिका भारत को धमका रहा है, निर्यात पर टैरिफ लगा रहा है। चीन हमारी जमीन पर कब्जा कर रहा है और भाजपा सरकार चीन से ही कारोबार बढ़ाने में लगी है।"सभा के दौरान युवाओं में राजा यादव उर्फ बिहारी टार्जन को देखने का विशेष उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम में विधायक मनोज कुमार यादव, वीरेंद्र कुमार शर्मा, संतोष कुशवाहा, योगेंद्र महतो सहित कई स्थानीय नेता मौजूद रहे। अध्यक्षता सुरेश सहनी ने की।

हरिद्वार के लिए चलेंगी अतिरिक्त बसें

एजेंसी | गौतम बुद्ध नगर

कार्तिक पूर्णिमा के पवित्र अवसर पर गंगा स्नान के लिए हरिद्वार जाने वाले श्रद्धालुओं को अब सफर में और सुविधा मिलेगी। परिवहन निगम ने यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नोएडा डिपो से 10 अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला किया है। क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि आम दिनों में जहां हरिद्वार के लिए चार बसें चलती हैं, वहीं तीन नवंबर से इनकी संख्या बढ़ाकर 14 कर दी गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि बसें सुबह से लेकर रात तक अलग-अलग समय पर रवाना होंगी ताकि लोग अपनी सुविधानुसार यात्रा कर सकें। टिकट दरें सामान्य रहेंगी, जिससे श्रद्धालुओं को अतिरिक्त खर्च का बोझ न झेलना पड़े।

फर्रूखाबाद में 28 धार्मिक स्थलों से हटे लाउडस्पीकर

एजेंसी | फर्रुखाबाद

उत्तर प्रदेश के फर्रूखाबाद जिले में ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ अभियान चलाया गया। अभियान में अवैध लाउड स्पीकर हटाने के क्रम में अब तक जिले भर से 28 धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटाए जा चुके हैं। पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने बताया कि निर्धारित आवाज से अधिक आवाज में लाउडस्पीकर बजाने पर शासन ने रोक लगा रखी है। इसके बाद भी जिले में कई थाना क्षेत्र में तेजी से लाउडस्पीकर बजाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाया जा रहा था। ऐसे स्थानों पर पुलिस ने कार्रवाई करके 28 धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटा दिए हैं। एसपी आरती सिंह ने बताया कि लाउडस्पीकर बजाने की समय सीमा है। इसका यदि किसी ने अतिक्रमण किया तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बिहार चुनाव: आयोग की निगरानी में अब तक 108 करोड़ जब्त

एजेंसी | नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव और अन्य राज्यों में हो रहे उपचुनावों के दौरान अब तक प्रवर्तन एजेंसियों ने 108.19 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के अवैध प्रलोभन जब्त किए हैं। इसमें नकद, शराब, नशीले पदार्थ, कीमती धातुएं और अन्य उपहार शामिल हैं। पूरे बिहार में अब तक 824 उड़न दस्ते (फ्लाइंग स्क्वाड) सक्रिय किए जा चुके हैं, जो मतदाताओं को प्रभावित करने वाले किसी भी प्रयास पर त्वरित कार्रवाई कर रहे हैं। आयोग ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि आदर्श आचार संहिता (MCC) का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही प्रवर्तन एजेंसियों को नकदी, शराब, ड्रग्स और अन्य अवैध सामग्रियों की आवाजाही पर चौकसी बढ़ाने को कहा गया है।

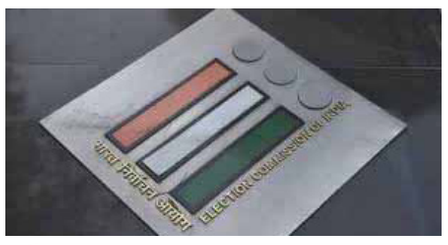

नौ करोड़ नकद और 42 करोड़ की शराब

चुनाव आयोग के अनुसार, अब तक 9.62 करोड़ रुपये नकद, 42.14 करोड़ रुपये मूल्य की शराब (9.6 लाख लीटर), 24.61 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ, 5.8 करोड़ रुपये की कीमती धातुएं और 26 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के अन्य मुफ्त उपहार जब्त किए गए हैं। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जांच और तलाशी के दौरान आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी न हो। चुनाव निगरानी के लिए सी-विजिल ऐप और कॉल सेंटर नंबर 1950 पर दर्ज शिकायतों का निपटारा 100 मिनट के भीतर करने का लक्ष्य रखा गया है।

पटिया टूटते ही सेप्टी टैंक में जा गिरे सगे भाई, मौत

एजेंसी | नोएडा

नोएडा के थाना सेक्टर-63 क्षेत्र स्थित चोटपुर कॉलोनी में रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। घर के अंदर बने सेप्टी टैंक में गिरने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई, जबकि उन्हें बचाने के प्रयास में एक पड़ोसी की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि मृतक चंद्रभान और राजू सगे भाई थे और बुलंदशहर के मूल निवासी थे। दोनों नोएडा में रहकर बढ़ई का काम करते थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पटिया टूटने से हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, सेक्टर-63 के निवासी चंद्रभान अपने घर में बने सेप्टी टैंक के ऊपर रखी पटिया पर खड़े थे, तभी अचानक पटिया टूट गई और वे नीचे टैंक में गिर गए। बड़े भाई को बचाने के लिए राजू भी अंदर उतर गया, लेकिन टैंक में मौजूद जहरीली गैस की चपेट में दोनों बेहोश हो गए। दोनों को बचाने की कोशिश में पड़ोसी हेमंत सिंह भी टैंक में उतरे, जो गैस की चपेट में आकर अचेत हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी और कटर की मदद से फर्श काटकर तीनों को बाहर निकाला। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने दोनों भाइयों को मृत घोषित कर दिया।

व्यापार जगत

7 नवंबर को खुलेगा पाइन लैब्स का आईपीओ

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पाइन लैब्स लिमिटेड का बहुप्रतीक्षित आईपीओ (IPO) 7 नवंबर से खुलकर 11 नवंबर को बंद होगा, जिससे कंपनी कुल 3899.91 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। यह इश्यू दो हिस्सों में बंटा है जिसमें 2080 करोड़ रुपये के नए शेयर (फ्रेश इश्यू) और 1819.91 करोड़ रुपये के ऑफर फॉर सेल (OFS) शामिल हैं। कुल मिलाकर कंपनी 9.41 करोड़ नए शेयर जारी करेगी और 8.23 करोड़ शेयर मौजूदा शेयरधारक बेचेंगे। कंपनी ने प्राइस बैंड 210 से 221 प्रति शेयर तय किया है। इस रेंज के आधार पर निवेशकों को निवेश करने के लिए आकर्षक अवसर मिल सकता है।

आईपीओ से प्राप्त पूंजी का उपयोग

पाइन लैब्स आईपीओ से जुटाई जाने वाली राशि का इस्तेमाल कंपनी कई अहम उद्देश्यों के लिए करने की योजना बना रही है। कंपनी के अनुसार, इस फंड का पहला बड़ा हिस्सा लगभग 532 करोड़ रुपये उन ऋणों के भुगतान और पूर्व भुगतान में लगाया जाएगा, जो कंपनी और उसकी कुछ सहायक कंपनियों ने लिए हैं। इससे कंपनी पर से कर्ज का बोझ कम होगा और वित्तीय स्थिति और मजबूत बनेगी।

ग्रे मार्केट में हलचल

प्राइस बैंड अनाउंस होते ही ग्रे मार्केट प्रीमियम लगभग 16 प्रतिशत हो गया है। बाजार सूत्रों के अनुसार अनलिस्टेड मार्केट में पाइन लैब्स आईपीओ जीएमपी 35 रुपये है, जो कैप प्राइस की तुलना में 15.8 प्रतिशत अधिक है। यह निवेशकों का इस आईपीओ के प्रति रुचि को प्रदर्शित करता है और सकारात्मक लिस्टिंग का संकेत है।

कंपनी प्रोफाइल

1998 में स्थापित पाइन लैब्स भारत का अग्रणी मर्चेंट कॉमर्स प्लेटफॉर्म है, जो पॉइंट-ऑफ-सेल सेवाएं, पेमेंट प्रोसेसिंग और मर्चेंट फाइनेंसिंग समाधान प्रदान करता है। कंपनी छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े कारोबारों तक सभी को डिजिटल पेमेंट और वैल्यू-एडेड सर्विसेज उपलब्ध कराती है। पाइन लैब्स स्मार्ट पीओएस मशीनों के जरिए कार्ड, यूपीआई, वॉलेट और ईएमआई भुगतान की सुविधा देता है।

एमसीएक्स पर 1.10 लाख करोड़ का कारोबार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

देश के अग्रणी कमोडिटी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज एमसीएक्स पर सोमवार को कुल 1,10,956.02 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया गया। इसमें वायदा कारोबार 25,277.76 करोड़ रुपये और ऑप्शंस कारोबार 85,676.51 करोड़ रुपये का रहा। वहीं बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स का नवंबर वायदा 28,543 पॉइंट पर कारोबार करता देखा गया। कृषि जिंसों में मेंथा ऑयल नवंबर वायदा 939.8 रुपये प्रति किलो पर लगभग स्थिर रहा। कुल कारोबार की दृष्टि से सोना और चांदी के अनुबंधों में सर्वाधिक सक्रियता रही, जिनमें क्रमशः 13,603 करोड़ और 6,228 करोड़ रुपये की खरीद-बिक्री दर्ज की गई।

कीमती धातुओं में रही दिलचस्पी

कीमती धातुओं में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी रही। सोना दिसंबर वायदा 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,21,507 रुपये प्रति 10 ग्राम, जबकि चांदी दिसंबर वायदा 0.37 प्रतिशत बढ़कर 1,48,830 रुपये प्रति किलो पर पहुंचा। इसके अलावा गोल्ड-गिनी, गोल्ड-पेटल और गोल्ड-मिनी अनुबंधों में भी हल्की तेजी दर्ज की गई। मेटल सेगमेंट में कुल 1,197.90 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। इसमें तांबा 1,010.75 रुपये प्रति किलो पर मामूली गिरावट में रहा, जबकि जस्ता, एल्यूमीनियम और सीसा में हल्की बढ़त देखी गई।

एनर्जी में 4330 करोड़ का कारोबार

एनर्जी सेगमेंट में कारोबारियों ने 4,330.17 करोड़ रुपये के सौदे किए। क्रूड ऑयल नवंबर वायदा 0.44 प्रतिशत गिरकर 5,398 रुपये प्रति बैरल पर आया, जबकि नेचुरल गैस वायदा 3.29 प्रतिशत उछलकर 376.9 रुपये प्रति एमएमबीटीयू पर पहुंच गया।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में अहम कदम

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बातचीत का चौथा चरण आज ऑकलैंड में शुरू हुआ। इस दौर की वार्ता में दोनों देशों ने एक "दूरदर्शी, संतुलित और समावेशी व्यापार ढांचे" के निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। वार्ता का यह चरण वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार, मूल नियमों, तथा अन्य महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्रों पर केंद्रित है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्ष अब तक की प्रगति को आगे बढ़ाते हुए लंबित मुद्दों पर सहमति बनाने और एफटीए को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की दिशा में रचनात्मक दृष्टिकोण से कार्य कर रहे हैं।

जयेश लॉजिस्टिक्सः पहले ही दिन निवेशकों को लगा झटका

एजेंसी | नई दिल्ली

लॉजिस्टिक सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी जयेश लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ने शेयर बाजार में अपने सफर की शुरुआत निराशाजनक की। कंपनी के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर शुक्रवार को 1.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 120 रुपये प्रति शेयर पर सूचीबद्ध हुए, जबकि इसका इश्यू प्राइस 122 रुपये था। लिस्टिंग के तुरंत बाद शेयरों पर बिकवाली का दबाव बढ़ा और कुछ ही देर में यह 114 रुपये के लोअर सर्किट तक लुढ़क गया। हालांकि, दोपहर बाद कुछ लिवाली देखने को मिली, लेकिन शेयर दिनभर नुकसान में ही बना रहा। कारोबार के अंत में यह 117.80 रुपये पर बंद हुआ, जिससे निवेशकों को पहले दिन ही 3.44 प्रतिशत यानी 4.20 रुपये प्रति शेयर का नुकसान हुआ।

भारी सब्सक्रिप्शन के बावजूद फीकी शुरुआत

जयेश लॉजिस्टिक्स का 28.63 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 अक्टूबर के बीच खुला था और इसे निवेशकों से शानदार प्रतिसाद मिला था। यह इश्यू कुल 65.59 गुना सब्सक्राइब हुआ। आईपीओ से जुटाई गई पूंजी का उपयोग कंपनी साइड वॉल ट्रेलर्स की खरीद, वर्किंग कैपिटल जरूरतों और कॉरपोरेट कार्यों में करने की योजना बना रही है। सेबी के पास दाखिल ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) के अनुसार, कंपनी की वित्तीय स्थिति पिछले तीन वर्षों में मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में 1.09 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ, जबकि 2023-24 में 3.16 करोड़ रुपये और 2024-25 में 7.20 करोड़ रुपये तक फायदा पहुंचा। राजस्व भी बढ़कर 2022-23 में 60.37 करोड़ से 2024-25 में 112.03 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस दौरान कंपनी पर कर्ज का बोझ भी बढ़ा। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2025) में यह कर्ज बढ़कर 29.65 करोड़ रुपये हो गया है।

शेयर बाजार में मामूली बढ़त, झोली में आए 2.23 लाख करोड़

शुरुआती गिरावट के बाद देर शाम हुई खरीदारी से संभला बाजार

एजेंसी | नई दिल्ली

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में दिनभर ऊंच-नीच का दौर जारी रहा। शुरुआती गिरावट के बाद देर शाम आई खरीदारी ने बाजार को संभाल लिया। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 0.05 प्रतिशत और निफ्टी 0.16 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुए। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में आई मजबूती ने निवेशकों की संपत्ति में लगभग 2.23 लाख करोड़ रुपये का इजाफा किया।

लिवाली से बाजार को मिला सहारा

दिन की शुरुआत कमजोर रही। बीएसई सेंसेक्स 103 अंक नीचे 83,835.10 पर खुला और शुरुआती 20 मिनट में ही 329 अंकों की गिरावट के साथ 83,609.54 तक फिसल गया। हालांकि इसके बाद बाजार में लिवाली का रुख बना रहा, जिससे सेंसेक्स ने तेजी पकड़ ली। दोपहर बाद इंडेक्स 188 अंकों की मजबूती के साथ 84,127 के उच्च स्तर तक पहुंचा, लेकिन मुनाफावसूली के दबाव में gains सीमित हो गए। अंततः सेंसेक्स 39.78 अंक बढ़कर 83,978.49 पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई निफ्टी ने 25.25 अंक नीचे 25,696.85 से शुरुआत की, लेकिन दिन के अंत में 41.25 अंक की बढ़त के साथ 25,763.35 अंक पर बंद हुआ।

पीएसयू और फार्मा सेक्टर ने दी रफ्तार

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैप शुक्रवार के 470.26 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 472.49 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस तरह निवेशकों के पोर्टफोलियो में करीब सवा दो लाख करोड़ रुपये का लाभ जुड़ा। कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, फार्मा और मेटल सेक्टरों में मजबूत खरीदारी देखी गई। वहीं आईटी, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर पर बिकवाली का दबाव बना रहा। ऑटो, ऑयल एंड गैस और कैपिटल गुड्स शेयरों में भी तेजी का रुझान रहा। मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

गिरावट के साथ बंद हुए 1992 शेयर

आज बीएसई में कुल 4,461 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2,246 बढ़त में, 1,992 गिरावट में और 223 बिना बदलाव के बंद हुए। एनएसई में 2,825 शेयरों में ट्रेडिंग हुई, जिनमें 1,599 शेयर बढ़त और 1,226 गिरावट के साथ बंद हुए। कुल मिलाकर, सप्ताह की शुरुआत भले ही अस्थिरता के साथ हुई हो, लेकिन बाजार में बनी लिवाली की धारणा ने संकेत दिए हैं कि निवेशक निकट भविष्य में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में और बढ़त की उम्मीद कर रहे हैं।

भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने पर देशभर में एक साथ मनेगा जश्न

550 जिलों में एक साथ खेले जाएंगे 1400 टूर्नामेंट

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने घोषणा की है कि 7 नवंबर को भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में भव्य आयोजन किए जाएंगे। इस अवसर पर 550 से अधिक जिलों में 1400 से ज्यादा हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किए जाएंगे। मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में सोमवार को प्रेस से बात करते हुए मांडविया ने कहा, सात नवंबर का दिन भारतीय हॉकी के गौरवशाली इतिहास को सलाम करने का है। यह उन खिलाड़ियों को नमन करने का अवसर है, जिन्होंने देश को अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मान दिलाया। इस दिन हम संकल्प लेंगे कि आने वाले वर्षों में हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।"

महिला क्रिकेट में जीत पर दी बधाई

केंद्रीय मंत्री ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत पर भी बधाई दी। उन्होंने कहा, "भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप विजय नारी शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। यह सफलता महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर है।" उल्लेखनीय है कि भारतीय हॉकी ने 7 नवंबर 1925 को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) की सदस्यता प्राप्त की थी। उसी दिन से शुरू हुई यह यात्रा अब वैश्विक खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय बन चुकी है। मांडविया ने कहा कि हॉकी के इस शताब्दी वर्ष पर भारत न केवल अपने अतीत पर गर्व कर रहा है, बल्कि भविष्य के एथलीटों को प्रेरित करने का संदेश भी दे रहा है।

हाकी भारत के स्वाभिमान का प्रतीक

उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी केवल एक खेल नहीं, बल्कि राष्ट्र की पहचान और स्वाभिमान का प्रतीक रही है। हॉकी के सौ वर्षों की इस यात्रा में भारत ने 8 ओलंपिक स्वर्ण, 1 रजत, 4 कांस्य पदक और 1 विश्व कप ट्रॉफी सहित कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। मांडविया ने कहा कि 7 नवंबर को आयोजित होने वाले टूर्नामेंटों का उद्देश्य देशभर में हॉकी के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह जगाना है। उन्होंने बताया कि इन आयोजनों में स्कूलों, कॉलेजों और स्थानीय खेल संघों की भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि हॉकी का जनाधार और मजबूत हो।

आलराउंडर दीप्ति शर्मा ने बढ़ाया पीतलनगरी का नाम

मुरादाबाद की रहने वाली दीप्ति ने वर्ल्ड कप फाइनल में पांच विकेट लेने के साथ 58 रन भी बनाए

मुरादाबाद। महिला क्रिकेट विश्वकप के फाइनल मुकाबले में ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने अपने शानदार प्रदर्शन से न केवल भारत को विश्व विजेता बनाया, बल्कि पीतलनगरी मुरादाबाद की शान को भी नई ऊंचाई दी। आगरा की मूल निवासी और फिलहाल डॉ. भीमराव पुलिस अकादमी मुरादाबाद में डिप्टी एसपी प्रशिक्षणरत दीप्ति ने फाइनल मैच में 58 गेंदों पर 58 रनों की दमदार पारी खेली और साथ ही 5 विकेट झटककर मैच का रुख पूरी तरह भारत की ओर मोड़ दिया। दीप्ति शर्मा का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में लाजवाब रहा। उन्होंने 9 मैचों में 22 विकेट हासिल किए और 7 पारियों में तीन अर्धशतकों सहित 215 रन बनाए। उनकी लगातार ऑलराउंड खेल से भारतीय टीम को फाइनल तक पहुंचने में अहम बढ़त मिली।

दीप्ति की सफलता पर दी बधाई

स्थानीय खेल प्रेमियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने दीप्ति की उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा कि वह अब सिर्फ़ एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि नई पीढ़ी की प्रेरणा बन चुकी हैं। दीप्ति ने एक बार फिर दिखा दिया कि अगर लगन हो, तो मैदान कोई भी हो — जीत भारत की ही होती है। गौरतलब है कि इस विश्वकप में मुरादाबाद से दो महिला खिलाड़ी — दीप्ति शर्मा और देहरादून निवासी स्नेहा राणा (जो मुरादाबाद रेल मंडल से जुड़ी हैं) — भारतीय टीम का हिस्सा थीं। दोनों खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से यह साबित कर दिया कि उत्तर भारत की धरती न सिर्फ़ साहस बल्कि प्रतिभा और प्रतिबद्धता की मिसाल है।

भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज से हटे ट्रैविस हेड

एजेंसी । मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने भारत के खिलाफ जारी टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के अंतिम दो मुकाबलों से हटने का फैसला लिया है। वे अब एशेज सीरीज की तैयारी के तहत अपने राज्य साउथ ऑस्ट्रेलिया की ओर से शेफील्ड शील्ड में हिस्सा लेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने जानकारी दी कि हेड अगले सप्ताह होबार्ट में तस्मानिया के खिलाफ चार दिवसीय मुकाबले में खेलेंगे। यह मैच उनके लिए खास रहेगा क्योंकि यह जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे के बाद उनका पहला फर्स्ट क्लास मैच होगा। हाल के महीनों में हेड का सफेद गेंद क्रिकेट में प्रदर्शन औसत रहा है। उन्होंने पिछली आठ पारियों में (टी20 और वनडे मिलाकर) केवल एक बार ही 30 से अधिक रन बनाए हैं। अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 142 रन की शानदार पारी खेलने के बाद वे बड़ी पारियों से दूर रहे हैं।

एशेज सीरीज से पहले लय पाने की तैयारी

हेड ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में नंबर-5 बल्लेबाज के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी आक्रामक शैली अक्सर मैच का रुख पलट देती है। सूत्रों के अनुसार, उन्हें खुद यह निर्णय लेने की छूट दी गई थी कि वे एशेज से पहले एक चार दिवसीय अभ्यास मैच खेलना चाहते हैं या नहीं, इस पर उन्होंने खेलने का फैसला किया। इस कदम से आगामी शेफील्ड शील्ड राउंड रोमांचक बन गया है, क्योंकि इसमें लगभग पूरी ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम उतरने जा रही है।

एक-एक की बराबरी पर है सीरीज

इस बीच, लेग स्पिनर तनवीर संगा को टी-20 टीम से रिलीज कर दिया गया है ताकि वे वनडे कप में न्यू साउथ वेल्स की ओर से सोमवार को खेल सकें। वहीं, चोट से उबरने के बाद लेफ्ट-आर्म सीमर बेन द्वार्शुइस टी-20 टीम में अंतिम दो मैचों के लिए शामिल होंगे। वर्तमान में भारत और ऑस्ट्रेलिया की टी-20 श्रृंखला 1-1 की बराबरी पर है। भारत ने होबार्ट में पहले मैच में 5 विकेट से जीत दर्ज की थी, जबकि दूसरा मुकाबला ऑस्ट्रेलिया ने अपने नाम किया था।

76 की उम्र में भी रफ्तार बरकरार

बांदा के मोतीलाल चौरसिया चेन्नई में दिखाएंगे स्पाइक्स की चमक

एजेंसी । बांदा

उम्र भले ही 76 की हो, लेकिन जुनून और जज़्बा आज भी बीसियों को मात देता है। बांदा के वरिष्ठ धावक मोतीलाल चौरसिया एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार हैं। वे चेन्नई में 4 से 6 नवंबर तक होने वाली अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे — और वह भी अपने पुराने अंदाज में, स्पाइक्स पहनकर ट्रैक पर दौड़ते हुए। इस प्रतियोगिता में 165 देशों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जहां अनुभव और जोश का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। मोतीलाल चौरसिया, खेल मंत्रालय के पूर्ण सहयोग से प्रयागराज होते हुए चेन्नई रवाना हुए।

रफ्तार के बादशाह हैं चौरसिया

छात्र जीवन से ही मोतीलाल चौरसिया रफ्तार के बादशाह रहे हैं — तीन बार जिला और विश्वविद्यालय स्तर पर अजेय रहे, नौ बार राज्य स्तरीय और छह बार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी गति से सबको चकित किया। करीब तीन दशक पहले उन्होंने प्रतियोगी दौड़ से संन्यास लिया था, लेकिन दौड़ उनके दिल की धड़कन बन चुकी थी।

ढोल-ताशे के साथ दी गई विदाई

सोमवार को शहर में उनकी विदाई किसी त्योहार से कम नहीं थी। ढोल-नगाड़ों की थाप, फूलों की वर्षा और "भारत माता की जय" के नारों के बीच जब मोतीलाल ने हाथ उठाकर विदाई ली, तो हर चेहरे पर गर्व झलक रहा था। उन्होंने कहा, यह मेरे जीवन का स्वर्णिम क्षण है। मैं मैदान में उतरूंगा तो हर कदम भारत के सम्मान के लिए होगा।

70 मिनट लगातार दौड़कर चौंकाया

अपने 70वें जन्मदिन पर उन्होंने पुलिस लाइन मैदान में लगातार 70 मिनट दौड़कर सबको चौंका दिया था। उस उपलब्धि पर तत्कालीन पुलिस अधीक्षक शालिनी और डीआईजी ने उन्हें सम्मानित किया था। अब चेन्नई की चैंपियनशिप में वे 5 किलोमीटर दौड़ में उतरेंगे। 76 वर्ष की आयु वर्ग में भारत के इकलौते प्रतिनिधि के रूप में उनका चयन सिर्फ़ उपलब्धि नहीं, बल्कि अनुशासन, फिटनेस और आत्मबल का जीवंत उदाहरण है।

101 वर्ष की उम्र में बुझा ओलंपिक जगत का सितारा, चार्ल्स कॉस्ट का निधन

1948 लंदन ओलंपिक में फ्रांस को दिलाया था स्वर्ण पदक
टेडी रिनर बोले— 'खेल भावना के प्रतीक थे चार्ल्स कॉस्ट'

एजेंसी । नई दिल्ली

ओलंपिक इतिहास के गौरवशाली अध्याय के प्रतीक रहे चार्ल्स कॉस्ट अब हमारे बीच नहीं रहे। 31 अक्टूबर (गुरुवार) को 101 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। कॉस्ट ने 1948 के लंदन ओलंपिक में फ्रांस की टीम पर्स्यूट साइक्लिंग इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर न केवल अपने देश को, बल्कि पूरी दुनिया को गौरवान्वित किया था। कॉस्ट ने सर्ज ब्लुसॉन, फर्नांड डेकेनाली और पियरे एडम के साथ मिलकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की थी। सेमीफाइनल में फ्रांस ने ग्रेट ब्रिटेन को मात दी थी और फाइनल में इटली को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। चार्ल्स कॉस्ट का जन्म आठ फरवरी, 1924 को ओलियूल्स (फ्रांस) में हुआ था।

पेरिस ओलंपिक में किया था मशाल का हस्तांतरण

चार्ल्स कॉस्ट पिछले वर्ष हुए पेरिस ओलंपिक 2024 के उद्घाटन समारोह में भी उपस्थित थे, जहां वे दूसरे अंतिम मशालवाहक बने। उन्होंने मशाल को पांच बार के जूडो ओलंपिक चैंपियन टेडी रिनर को सौंपा था। वह क्षण खेल इतिहास में पीढ़ियों को जोड़ने वाला भावनात्मक दृश्य बन गया था। कॉस्ट का जन्म 8 फरवरी 1924 को फ्रांस के ओलियूल्स (वर क्षेत्र) में हुआ था। बाल्यकाल से ही उन्हें साइक्लिंग का जुनून था। 1947 में उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रीय पर्स्यूट चैंपियन का खिताब जीता और अगले ही वर्ष ओलंपिक में इतिहास रच दिया। जनवरी 2025 में हंगरी की जिम्नास्ट एग्नेस केलेटी के निधन के बाद कॉस्ट को दुनिया के सबसे बुजुर्ग जीवित ओलंपिक चैंपियन का खिताब मिला था।

बॉलीवुड

नई डेट के साथ लौट आई फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी'

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की आगामी रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही यह जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखने के लिए फैंस उत्साहित हैं। अब फिल्म से जुड़ा एक नया अपडेट सामने आया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। फिल्म की रिलीज़ डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। पहले यह फिल्म 31 दिसंबर 2025 को रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन अब इसे एक हफ्ता पहले, यानी 25 दिसंबर 2025 को थिएटर्स में उतारा जाएगा। खुद कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी शेयर की और बताया कि क्रिसमस के मौके पर दर्शकों को एक खास सिनेमैटिक गिफ्ट दिया जाएगा। कार्तिक के पोस्ट के बाद ट्रेड एनालिस्ट और सिनेमाघर मालिकों में भी एक्साइटमेंट बढ़ गई है, क्योंकि फिल्म क्रिसमस वीक पर रिलीज़ होने से फैमिली और युवाओं की बड़ी भीड़ सिनेमाघरों का रुख कर सकती है। दिलचस्प बात यह है कि अगस्त्य नंदा की फिल्म 'इक्कीस' भी इसी तारीख यानी 25 दिसंबर 2025 को रिलीज़ हो रही है। ऐसे में दोनों फिल्मों के बीच दमदार बॉक्स ऑफिस क्लैश देखने को मिलेगा।

'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' का निर्देशन समीर विद्वांस कर रहे हैं, जिन्होंने इसके पहले कार्तिक के साथ 'सत्यप्रेम की कथा' जैसी हिट फिल्म दी थी। यह जोड़ी फिर से इमोशन, रोमांस और म्यूज़िक का खूबसूरत मिश्रण पेश करने की तैयारी में है। फिल्म को करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता प्रोड्यूस कर रहे हैं। ऐसे में यह प्रोजेक्ट स्टार कास्ट, निर्देशक और बड़े प्रोडक्शन हाउस के कॉम्बिनेशन के चलते और भी चर्चा में है।

'तेरे इश्क़ में' का नया रोमांटिक गीत 'उसे कहना' रिलीज

आनंद एल राय के निर्देशन में बन रही बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तेरे इश्क़ में' का नया गाना 'उसे कहना' जारी कर दिया गया है। टाइटल ट्रैक के बाद यह दूसरा गीत है, जो दर्शकों के दिलों में भावनाओं और रोमांस की एक गहरी लहर लेकर आया है। गाने का संगीत ए.आर. रहमान ने दिया है, जबकि इसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। नितेश आहर और जोनिता गांधी की भावपूर्ण आवाज़ ने इसे और भी असरदार बना दिया है। वीडियो में धनुष और कृति सेनन की रूमानी केमिस्ट्री और भी खूबसूरत तरीके से उभरकर सामने आती है। खासकर कृति के किरदार मुक्ति की भावनात्मक यात्रा को गाने में बेहद संवेदनशील अंदाज में दिखाया गया है। संगीतकार ए.आर. रहमान ने इस गाने की प्रेरणा साझा करते हुए कहा, 'उसे कहना' की धुन हमें हिमाचल की यात्रा के दौरान मिली, जब हमने गंगा में पहाड़ों का प्रतिबिंब देखा। उसी पल यह धुन जन्मी। पियानो, स्ट्रिंग्स और नितेश की नई आवाज़ ने इसे खास बना दिया। उम्मीद है दर्शक इसे महसूस करेंगे। निर्देशक और निर्माता आनंद एल राय ने कहा, संगीत सबसे बड़ा जादू है, और मुझे सबसे बड़े जादूगर ए.आर. रहमान के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है। 'उसे कहना' दिल से निकला एक रत्न है। फिल्म में ए.आर. रहमान का संगीत, हिमांशु शर्मा के डायलॉग्स और आनंद एल राय की संवेदनशील विज़ुअल ट्रीटमेंट एक अनोखी सिनेमैटिक यात्रा का वादा करते हैं। गुलशन कुमार, टी-सीरीज़ और कलर येलो प्रोडक्शंस की प्रस्तुति इस फिल्म को हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार और कृष्णन कुमार ने निर्माण किया है। धनुष और कृति सेनन अभिनीत 'तेरे इश्क़ में' 28 नवंबर 2025 को हिंदी, तमिल और तेलुगु में विश्वभर में रिलीज़ होगी।

'रात अकेली है' के सीक्वल में दिखेंगे नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी,नेटफ्लिक्स ने किया ऐलान

बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेताओं में शुमार नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक बार फिर दर्शकों को रोमांच और रहस्य से भरपूर सफर पर ले जाने के लिए तैयार हैं। उनकी पॉपुलर क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'रात अकेली है' की दूसरी किस्त का आधिकारिक ऐलान हो चुका है। नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर 'रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स' का टाइटल रिवील करते हुए पोस्ट शेयर किया, जिसके साथ फैंस में उत्साह की लहर दौड़ गई। पहली फिल्म में नवाजुद्दीन ने यूपी पुलिस के इंस्पेक्टर जटिल यादव के किरदार में अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया था। अब इस किरदार के साथ वह एक नए रहस्य और खतरनाक अपराध की तह में जाने वाले हैं। इस बार कहानी उन्हें एक शक्तिशाली और प्रभावशाली बंसल परिवार तक ले जाएगी, जहां एक निर्मम हत्या ने पूरे परिवार को हिला दिया है। जटिल यादव का मकसद है इस हत्या के पीछे की सच्चाई को उजागर करना, चाहे इसके लिए उन्हें कितनी भी गहराई में क्यों न उतरना पड़े। इस बार फिल्म में कई नए चेहरे जुड़ रहे हैं। राधिका आप्टे के साथ-साथ चित्रांगदा सिंह, रजत कपूर, दीप्ति नवल, इला अरुण, रेवती, अखिलेंद्र मिश्रा, प्रियंका सेतिया और संजय कपूर जैसे अनुभवी कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स द्वारा जारी किए गए छोटे से टीज़र में नवाजुद्दीन सिद्दीकी की आवाज गूंजती है। ये बंसल का मर्डर छोटा कांड नहीं, हत्याकांड है। इसकी जड़ तो मैं कहीं से ढूंढ निकालूंगा, याद रखिएगा। यह एक बार फिर संकेत देता है कि फिल्म में सस्पेंस, भावनात्मक तनाव और इंस्पेक्टर यादव की तीव्र जांच दर्शकों को सीट से बांधे रखेगी। फिल्म की शूटिंग दिसंबर 2025 तक पूरी होने की उम्मीद है और इसे 2026 की शुरुआत में नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा।

अगस्त्य नंदा की 'इक्कीस' की रिलीज़ डेट आई सामने

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'इक्कीस' को लेकर दर्शकों में उत्साह चरम पर है। पिछले हफ्ते रिलीज हुए फिल्म के ट्रेलर ने सिनेमाप्रेमियों में जोश भर दिया था, और अब निर्माताओं ने इसकी रिलीज़ डेट का भी ऐलान कर दिया है। क्रिसमस पर सिनेमाघरों में गूंजेगा 'इक्कीस' का युद्ध-गर्जनफिल्म 'इक्कीस' इस साल क्रिसमस, यानी 25 दिसंबर 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। इस फिल्म का निर्माण दिनेश विजान ने किया है, जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी संभाली है बेहतरीन फिल्ममेकर श्रीराम राघवन ने, जो अपने थ्रिलर और इमोशनल नैरेटिव के लिए जाने जाते हैं। सच्ची वीरता पर आधारित कहानी'इक्कीस' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि साहस और बलिदान की सच्ची दास्तान है। इसकी कहानी 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान लड़ी गई उन लड़ाइयों पर आधारित है, जिन्होंने भारतीय सेना के इतिहास में अमर अध्याय जोड़े। फिल्म में सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के जीवन की अनकही कहानी दिखाई जाएगी, जिन्हें उनके अदम्य साहस के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। यह फिल्म न सिर्फ युद्धभूमि की गूंज दिखाएगी, बल्कि उस भावनात्मक संघर्ष को भी उकेरेगी, जो एक जवान अपने कर्तव्य और परिवार के बीच झेलता है। 'द आर्चीज' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाले अगस्त्य नंदा इस फिल्म में एक सशक्त और गहराई भरा किरदार निभाते नजर आएंगे। उनके साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया, जो इसी फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। वहीं दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे, जिससे यह युद्ध-नाटक और भी प्रभावशाली बन गया है।

बिहार से कांग्रेस-राजद का होगा सफाया : अमित शाह

पटना/शिवहर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को शिवहर और सीतामढ़ी जिलों में चुनावी रैलियों को संबोधित किया। कहा, इस बार बिहार की जनता राजग को भारी बहुमत से सत्ता में लाने जा रही है और कांग्रेस और राजद का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

उन्होंने जनसभा में कहा, मैं आज ही बिहार चुनाव का परिणाम बता देता हूं— 14 नवंबर दोपहर एक बजे तक लालू-राहुल की पार्टी पूरी तरह खत्म हो जाएगी। बिहार में राजग की सरकार भारी बहुमत से बनने जा रही है।

नीतीश कुमार विकास के प्रतीक

अमित शाह ने महागठबंधन पर तीखा प्रहार करते हुए कहा, लालू यादव अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और सोनिया गांधी अपने बेटे को प्रधानमंत्री, लेकिन बिहार की जनता यह कभी नहीं होने देगी। क्योंकि बिहार में नीतीश कुमार हैं और देश में नरेंद्र मोदी हैं, जो सेवा और विकास की राजनीति का प्रतीक हैं।

उन्होंने कहा कि नीतीश-मोदी की जोड़ी ने बिहार को जंगलराज से मुक्ति दिलाई और देश को परिवारवाद की राजनीति से आजाद किया। वहीं विपक्ष की राजनीति स्वार्थ और वंशवाद पर आधारित है।

विपक्ष के पास नेता न नीति

महागठबंधन को "महाठगबंधन" करार देते हुए शाह ने कहा, "इनके पास न नेता है, न नीति। इन्हें खुद नहीं पता कि कौन किस सीट से लड़ रहा है। जनता अब ऐसे बेमेल गठबंधनों को पहचान चुकी है, जो सिर्फ कुर्सी के लिए साथ आते हैं और चुनाव खत्म होते ही बिखर जाते हैं।"

अपने संबोधन में अमित शाह ने यह भी घोषणा की कि सीतामढ़ी में देवी सीता मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के दिन, सीतामढ़ी से अयोध्या के लिए वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत की जाएगी।

राहुल ने किया छठी मैया का अपमान

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, राहुल गांधी ने छठी मैया और प्रधानमंत्री मोदी जी का अपमान किया है। जब-जब उन्होंने मोदी जी का अपमान किया, जनता ने उन्हें हराकर जवाब दिया है। इस बार सीतामढ़ी की जनता भी छठी मैया का अपमान नहीं भूलेगी।

शाह ने केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए बताया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के दस वर्षों में बिहार को 2 लाख 80 हजार करोड़ रुपये मिले थे, जबकि राजग सरकार ने पिछले दस वर्षों में 18 लाख 70 हजार करोड़ रुपये का आवंटन किया।

9000 रुपये होगी सम्मान निधि

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों के हित में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की वार्षिक राशि 6 हजार रुपये से बढ़ाकर 9 हजार रुपये करने जा रही है। साथ ही दरभंगा, पूर्णिया और भागलपुर हवाई अड्डों को जल्द ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपग्रेड किया जाएगा। अमित शाह ने सभा के अंत में कहा कि बिहार की जनता एक बार फिर विकास, सुशासन और स्थिरता के लिए राजग को चुनने जा रही है।

ऑपरेशन 'सिंदूर' के ताबड़तोड़ हमलों से से थर्रा गया था पाकिस्तान

डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकारा पाकिस्तान ने लगाई थी गुहार

अमेरिकी चैनल सीबीएस को दिए साक्षात्कार में ट्रंप ने किया खुलासा

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुलासा किया है कि 'ऑपरेशन सिन्दूर' के दौरान पाकिस्तान भय और घबराहट की चरम स्थिति में पहुंच गया था। उसे आशंका थी कि भारत उस पर परमाणु हमला करने वाला है। यही कारण था कि पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने अमेरिकी हस्तक्षेप की गुहार लगाई थी।

अमेरिकी चैनल सीबीएस को दिए '60 मिनट्स' कार्यक्रम के साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि मई में हुआ यह युद्ध बेहद भयावह और विनाशकारी साबित हो सकता था। उन्होंने स्वीकार किया कि उस दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति परमाणु युद्ध के कगार पर पहुंच गई थी।

ट्रंप ने बताया कि उन्होंने दोनों देशों के नेताओं से स्पष्ट कहा था कि यदि युद्ध नहीं रुका तो अमेरिका उनके साथ व्यापारिक संबंध समाप्त कर देगा। उनके अनुसार, "भारत और पाकिस्तान के बीच टकराव उस समय इस स्तर पर था कि लाखों लोग मारे जा सकते थे। मैंने दोनों नेताओं से कहा कि तुरंत समझौता कीजिए, नहीं तो अमेरिका के साथ व्यापार बंद होगा। अंततः दोनों ने समझदारी दिखाई और युद्ध टल गया।"

पाकिस्तान में विमानों को मार गिराया गया

उन्होंने आगे कहा, "पाकिस्तान में विमानों को मार गिराया जा रहा था। यह वास्तव में भयावह स्थिति थी। भारत तैयार था, पाकिस्तान आतंकित था।और यदि तत्काल हस्तक्षेप न किया जाता, तो यह एक परमाणु युद्ध बन जाता।" साक्षात्कार में ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ऑपरेशन सिन्दूर के बाद पाकिस्तान ने अपने परमाणु हथियारों का सक्रिय परीक्षण शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, "रूस, चीन, उत्तर कोरिया और पाकिस्तान सभी परमाणु परीक्षण कर रहे हैं, जबकि अमेरिका अब तक पीछे है। अब समय आ गया है कि अमेरिका भी अपने परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करे।"

न्यूज़ ब्रीफ

सऊदी अरब में 'ग्लोबल हार्मनी' की धूम

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद इन दिनों भारत की रंग-बिरंगी संस्कृति के रंगों में रंगा हुआ है। 'ग्लोबल हार्मनी' पहल के दूसरे संस्करण की शुरुआत रविवार को सुवैदी पार्क में भव्य 'इंडिया वीक' के साथ हुई। यह आयोजन न केवल भारत की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित कर रहा है, बल्कि सऊदी अरब में बसे भारतीय समुदाय के अमूल्य योगदान को भी सम्मानित कर रहा है। सऊदी मीडिया मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष 'मीडिया मंत्रालय' और 'जनरल एंटरटेनमेंट अथॉरिटी' द्वारा मिलकर 'रियाद सीजन' के तहत कई सांस्कृतिक और मनोरंजन कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू की गई है। इसकी पहली कड़ी के रूप में 'इंडिया वीक' का आयोजन किया गया, जिसमें संगीत, नृत्य, भोजन, कला और पारंपरिक हस्तशिल्प के माध्यम से भारतीय संस्कृति की झलक पेश की जा रही है। इस अवसर पर भारतीय राजदूत डॉ. सुहैल अज़ाज़ ख़ान ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि, 2024 के सफल आयोजन के बाद इस बार का 'इंडिया वीक' और भी भव्य और विविधतापूर्ण होगा।

महाराष्ट्र : फसल बीमा में धांधली की होगी जांच

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत महाराष्ट्र के किसानों को सिर्फ 1 से 21 रुपये तक की क्लेम राशि मिलने के मामलों ने केंद्र सरकार को झकझोर दिया है। इस मामले पर गंभीर रुख अपनाते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को अधिकारियों को तत्काल जांच के आदेश दिए और स्पष्ट कहा कि किसानों के साथ किसी भी प्रकार का मजाक बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिल्ली स्थित कृषि भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में शिवराज सिंह चौहान ने इस मुद्दे पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों और महाराष्ट्र के कुछ किसानों को वर्चुअल माध्यम से जोड़कर उनकी शिकायतें सीधे सुनीं। शिवराज सिंह चौहान ने सख्त लहजे में कहा, "फसल बीमा योजना किसानों की सुरक्षा कवच है, न कि दिखावा। 1 या 21 रुपये का क्लेम मिलना किसानों के साथ अन्याय है — यह मैं नहीं होने दूंगा।

दक्षिण कश्मीर में आतंकियों ने बना रखा था ठिकाना

कुलगाम में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, जंगलों में छिपे दो आतंकवादी ठिकाने ध्वस्त

कुलगाम। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षा बलों को एक और सफलता मिली है। दमहाल हंजीपोरा के घने वन क्षेत्र में चलाए गए संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने दो पुराने आतंकवादी ठिकानों का भंडाफोड़ किया और उन्हें नष्ट कर दिया। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि यह अभियान विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर 9 राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम ने शुरू किया था। तलाशी के दौरान अहमदाबाद और नेंगरीपोरा के बीच स्थित घने जंगलों में आतंकियों के दो ठिकाने मिले। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि यह कार्रवाई क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों की गतिविधियों पर लगाम लगाने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

सिलेंडर, कपडे आदि बरामद

पुलिस अधिकारी के अनुसार, दोनों ठिकानों से गैस सिलेंडर, कपड़े और अन्य जरूरी सामान बरामद किया गया है, जो इस बात का संकेत देता है कि इनका उपयोग आतंकियों ने लंबे समय तक शरणस्थल के रूप में किया था। सभी बरामद सामग्री को जब्त कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

हमास ने रेडक्रास को सौंपे तीन बंधकों के शव

एक की पहचान सैनिक ओमर न्यूत्रा के रूप में हुई

एजेंसी । गाजा पट्टी

गाजा में शनिवार-रविवार की रात को हमास द्वारा तीन और बंधकों के शव मानवीय मध्यस्थता के जरिए अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस को सौंपे गए, जिन्हें बाद में इजराइली अधिकारी पहचान के लिए स्वीकार कर शहर भेजा गया। इजराइली पक्ष फिलहाल शवों की पहचान की पुष्टिकरण प्रक्रिया कर रहा है। एक शव की पहचान सैनिक ओमर न्यूत्रा के रूप में होने की सूचना मिली है।

हमास के बयान के अनुसार, तीनों शवों को एक सुरंग से निकाला गया और उन्हें तीन ताबूतों में बंध कर दक्षिणी गाजा में रेडक्रॉस के प्रतिनिधियों को सौंपा गया। रेडक्रॉस ने ताबूतों को इजराइल भेजा और वहां से उन्हें तेल अवीव के अबू कबीर फॉरेंसिक संस्थान में पहचान परीक्षण के लिए ले जाया गया। समूह ने साथ ही एक तस्वीर भी जारी की, जिसमें एक शव बैग में बंद दिख रहा था और उस बैग पर मृत बंधक का नाम लिखा हुआ था।

अभी भी आठ बंधकों का इंतजार

द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के हवाले से बताया गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक शव को अमेरिकी-इजराइली सैनिक ओमर न्यूत्रा बताया, और कहा कि न्यूयॉर्क निवासी उस व्यक्ति के माता-पिता ने पहचान की पुष्टि की है। इजराइली अधिकारियों का कहना है कि यदि इन तीनों की पहचान बंधकों के रूप में पुष्ट हो जाती है, तो अभी भी आठ और बंधकों के शव मिलने बाक़ी हैं।

गुरुवार को सौंपा था दो अन्य शव

इससे पहले हमास ने गुरुवार को दो मारे गए बंधकों — 84 वर्षीय अमीरम कूपर और 25 वर्षीय सहर बारूक — के अवशेष सौंपे थे, जिन्हें इजराइली पहचान के बाद दफनाया गया था। युद्धविराम समझौते के तहत तय शर्तों के अनुसार हमास को 72 घंटों के भीतर सभी जीवित बंधकों को लौटाना और सभी मृत बंधकों का पता लगाकर लौटाना था। इजराइल का आरोप है कि हमास ने पहले तो सभी 20 जीवित बंधकों को सौंपा, पर मृत बंधकों में से केवल कुछ शव ही लौटाए गए।

Navy का जहाज 'सावित्री' पहुंचा मॉरीशस, मजबूत हुई साझेदारी

एजेंसी । नई दिल्ली

हिंद महासागर में सामरिक सहयोग को और गहराई देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय नौसेना का अपतटीय गश्ती पोत (ओपीवी) 'सावित्री' मॉरीशस की राजधानी पोर्ट लुइस पहुंचा। जहाज के आगमन पर मॉरीशस राष्ट्रीय तटरक्षक बल ने भारतीय दल का गर्मजोशी और पारंपरिक सौहार्द से स्वागत किया। यह यात्रा भारत और मॉरीशस के बीच मजबूत रक्षा और समुद्री सहयोग की निरंतरता का प्रतीक है। दोनों देशों के बीच यह साझेदारी आपसी विश्वास, साझा मूल्यों और समान समुद्री हितों पर आधारित है, जिसका उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखना है।

बंदरगाह प्रवास के दौरान जहाज का दल विभिन्न व्यावसायिक और प्रशिक्षण गतिविधियों में हिस्सा लेगा। इस दौरान एनसीजी कर्मियों को मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के तहत संयुक्त अभियानों के संचालन का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

एनसीजी के साथ ईईजेड की करेगा निगरानी

भारतीय युद्धपोत 'सावित्री' अपने प्रवास के दौरान मॉरीशस राष्ट्रीय तटरक्षक बल (एनसीजी) के जहाजों और विमानों के साथ मिलकर संयुक्त अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) की निगरानी करेगा। इस अभियान का लक्ष्य मॉरीशस के समुद्री क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और दोनों सेनाओं के बीच इंटरऑपरेबिलिटी और समन्वय को सुदृढ़ करना है।दोनों नौसेनाओं के कर्मियों के बीच मैत्रीपूर्ण खेल मुकाबले भी आयोजित होंगे, जिससे परस्पर सहयोग और सौहार्द के संबंध और मजबूत होंगे। इसके साथ ही 'सावित्री' को स्थानीय नागरिकों और छात्रों के लिए भी खोला जाएगा, ताकि वे भारतीय नौसेना की क्षमताओं और समुद्री सुरक्षा की भूमिका को नजदीक से समझ सकें।

साफ-सफाई कर आयुष मंत्रालय ने कमाए 7.35 लाख रुपये

एजेंसी । नई दिल्ली

'स्वच्छता ही सेवा' के संदेश को आगे बढ़ाते हुए आयुष मंत्रालय ने 'विशेष अभियान 5.0' के तहत देशभर में व्यापक सफाई और प्रशासनिक सुधार अभियान चलाया। इस पहल के दौरान मंत्रालय ने कबाड़ और अनुपयोगी वस्तुओं की नीलामी से कुल 7 लाख 35 हजार रुपये का राजस्व अर्जित किया। अभियान के अंतर्गत 1365 वर्ग फुट कार्यालय क्षेत्र खाली कराया गया, जिससे कार्यस्थलों में बेहतर जगह और सुव्यवस्था सुनिश्चित हो सकी। साथ ही 658 जन शिकायतों और 59 अपीलों का निस्तारण किया गया, जबकि 101 पुरानी फाइलों को नष्ट कर रिकॉर्ड प्रबंधन को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया गया। मंत्रालय के अनुसार, यह अभियान 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक देशभर के आयुष कार्यालयों में संचालित किया गया। इसका उद्देश्य सरकारी कार्यप्रणाली में दक्षता लाना, रिकॉर्ड प्रबंधन में सुधार करना और कार्यालयों में स्थायी स्वच्छता संस्कृति को बढ़ावा देना था। अभियान के दौरान देशभर के आयुष संस्थानों में 68 सफाई अभियान आयोजित किए गए, जिनमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं आयुष भवन सहित कई प्रमुख कार्यालयों में नेतृत्व करते हुए सफाई गतिविधियों में भाग लिया।

अफगानिस्तान में डोली धरती 10 की मौत, 260 घायल

- **मजार-ए-शरीफ के पास आया 6.3 तीव्रता वाला भूकंप**
- **घनी आबादी वाले क्षेत्र में लगा झटका, कई भवन ध्वस्त**

काबुल। अफगानिस्तान के उत्तरी शहर मजार-ए-शरीफ में सोमवार तड़के धरती ने एक बार फिर भयावह रूप दिखाया। रिक्टर पैमाने पर 6.3 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने तबाही मचा दी, जिसमें अब तक 10 लोगों की मौत और 260 से अधिक घायल होने की पुष्टि हुई है। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, यह भूकंप मजार-ए-शरीफ से करीब 28 किलोमीटर की गहराई में आया। भूकंप का केंद्र घनी आबादी वाले क्षेत्र में था, जहां लगभग 5.23 लाख लोग रहते हैं। झटके इतने तीव्र थे कि आसपास के इलाकों में कई इमारतें ध्वस्त हो गईं और लोग घरों से बाहर भाग निकले।

पेजर प्रणाली में जारी हुआ था अलर्ट

समंगान प्रांत के स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता समीम जॉयंदा ने बताया कि अब तक सात मौतें और 150 से अधिक घायलों की सूचना मिली है। उन्होंने कहा कि घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और राहत कार्य जारी हैं। यूएसजीएस ने इस भूकंप के लिए अपनी 'पेजर' प्रणाली में नारंगी अलर्ट जारी किया है।

पूर्वोत्तर को 635 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने असम में रखी परियोजनाओं की आधारशिला

एजेंसी । गुवाहाटी

केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को असम को विकास की नई सौगात दी। उन्होंने आईआईटी गुवाहाटी में उत्तर पूर्वी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एनईएसटी) क्लस्टर का उद्घाटन किया और 635 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार, इन परियोजनाओं में 65 नए माध्यमिक विद्यालय भवनों का निर्माण, चायगांव-उकिउम सड़क का उन्नयन, सिलोनिजन-धनसिरी पार घाट पर आरसीसी पुल का निर्माण और कोकराझार व बक्सा जिलों में औद्योगिक परिसरों का विकास शामिल है।

पूर्वोत्तर अब 'लैंड लिंक्ड' राज्य

मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर अब 'लैंड लॉक्ड' नहीं बल्कि 'लैंड लिंक्ड' और भविष्य की दृष्टि से तैयार क्षेत्र बन चुका है। सिंधिया ने बोगीबील पुल, भूपेन हजारिका सेतु, सेला सुरंग और जोगीघोपा मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक पार्क जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे असम और पूरे पूर्वोत्तर की संपर्क व्यवस्था और आर्थिक गतिविधियों में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है।

IIT गुवाहाटी परिसर में NEST क्लस्टर

करीब 22.98 करोड़ रुपये की लागत से आईआईटी गुवाहाटी परिसर में स्थापित एनईएसटी क्लस्टर को पूर्वोत्तर भारत के नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास का केंद्र बताया जा रहा है। यह क्लस्टर चार प्रमुख क्षेत्रों — स्थानीय नवाचार, सेमीकंडक्टर व कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बांस आधारित तकनीकें और जैव-प्लास्टिक — पर अनुसंधान और उद्योग सहयोग को बढ़ावा देगा।

सूक्ष्म उद्योग में मिलेगी सहायता

कार्यक्रम के दौरान सिंधिया ने जैव अपघटनीय खिलौनों के निर्माण में प्रशिक्षित 30 ग्रामीण महिलाओं को सम्मानित किया और कहा कि सरकार उन्हें सूक्ष्म उद्योग स्थापित करने में हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने एनईएसटी क्लस्टर का प्रतीक चिन्ह भी जारी किया, जिसे इन्हीं ग्रामीण महिलाओं ने डिजाइन किया है।

मेक्सिको में भारी भीड़ के बीच मेयर को उड़ाया

- **सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में हमलावर की भी गोली लगने से मौत**
- **मेक्सिको में 'डे ऑफ द डेड' के बीच सनसनीखेज वारदात से दहशत**

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के पश्चिमी राज्य मिचोआकान में 'डे ऑफ द डेड' उत्सव के दौरान एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। उरुआपान नगर पालिका के मेयर कार्लोस अल्बर्टो मैनजो रोड्रिगेज की सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस की त्वरित कार्रवाई में हमलावर भी मौके पर मारा गया। घटना शहर के ऐतिहासिक केंद्र में हुई, जब मेयर उत्सव में शामिल होने पहुंचे थे।

हिंसक क्षेत्रों में गिना जाता है मिचोआकान

संघीय सुरक्षा सचिव ओमार गार्सिया हार्फुच ने बताया कि पुलिस ने तुरंत जवाबी कार्रवाई करते हुए हमलावर को ढेर कर दिया। उन्होंने कहा, यह एक कायरतापूर्ण और निंदनीय कृत्य है। हम सभी कोणों से जांच कर रहे हैं ताकि सच्चाई सामने आ सके। मिचोआकान लंबे समय से मेक्सिको के सबसे हिंसक इलाकों में गिना जाता है, जहाँ कार्टेल और आपराधिक गिरोहों के बीच नशीले पदार्थों की तस्करी और अन्य अवैध धंधों पर नियंत्रण को लेकर खूनी संघर्ष जारी रहता है।